तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 7 सितंबर 2025

11 अध्यापक हमारे जीवन के मार्गदर्शक: सुभाष श्योराण

11 प्रकृति को प्रदूषण से बचाओ का दिया संदेश

बरसात व घग्गर के कारण गुहला क्षेत्र के करीब आधा दर्जन गांवों की फसल जलमग्न

घग्गर नदी का जलस्तर 23 फुट 9 इंच तक पहुंचा

गांव में घुसा पानी: घग्गर पार के किसानों की महापंचायत, ग्रामीणों को सता रहा बाढ़ का भय

मोहनपुर-भागल सड़क पर पाइप लगाकर या सड़क काटकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुहला चीका

घग्गर नदी के पार बसे लगभग आधा दर्जन गांवों के सैकड़ों किसानों ने आज बाढ़ के पानी की निकासी को लेकर एकजुट होकर मोहनपुर से भागल वाया मैंगड़ा सड़क पर महापंचायत की। लगभग 400 किसान इकट्ठे होकर भागल चौकी पहुंचे और प्रशासन से पानी की निकासी की मांग की। किसानों ने प्रशासन से कहा कि बाढ़ के कारण उनकी फसलें पहले ही डूब चुकी हैं, अब पानी गांव मझेड़ी के डेरों तक पहुंच गया है और जल्द ही यह रिहायशी इलाकों में भी घुस सकता है। किसानों की मांग थी कि मोहनपुर-भागल सड़क पर पाइप लगाकर या फिर जेसीबी से सड़क काटकर पानी की निकासी सुनिश्चित की जाए। इस मौके पर गुहला के तहसीलदार स्वयं मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। उन्होंने एस.डी.ओ. (उपमंडल अभियंता), सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को भी मौके पर बुलाकर मुआयना करवाया। इस दौरान मैंगड़ा गांव से भी कुछ किसान पहुंचे, जहां पर मझेड़ी गांव के किसानों से थोड़ी नोकझोंक हो गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। तहसीलदार ने हालात की गंभीरता को देखते एसडीओ पीडब्ल्यूडी को आदेश दिए कि सड़क को करीब डेढ़ फुट तक काटकर पानी की निकासी करवाई जाए। नायब तहसीलदार बंसीलाल गुहला ने किसानों से अपील की कि वे इस आपदा की घड़ी में आपसी भाईचारा बनाए रखें। उन्होंने कहा कि प्रशासन आपकी समस्याओं को गंभीरता से ले रहा है और हरसंभव सहायता देने को तैयार है। घग्गर का जलस्तर बढ़ा, हजारों एकड़ फसल डूबी; किसानों की बढ़ी चिंता,

प्रशासन पूरी तरह तैयार

प्रशासन का कहना है कि हालात पर नजर रखी जा रही है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। डीसी प्रीति और एसपी आस्था मोदी ने प्रशासनिक टीम के साथ बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

हजारों एकड़ फसल खराब

किसानों का कहना है कि पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रहे जलस्तर के कारण गुहला हल्के की हजारों एकड़ फसल पानी में डूबकर खराब हो चुकी है। खेतों में खड़ी धान की फसल सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं। ग्रामीणों को अब बाढ़ का डर सताने लगा है।

प्रशासन अलर्ट गुहला हल्का में घग्गर नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटे में जलस्तर 4 से 5 इंच और बढ़कर अब 23 फुट 9 इंच तक पहुंच गया है। ऊपर से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने हालात को और गंभीर बना दिया है। इससे ग्रामीणों और किसानों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

फिर से बरसे बदरा, कॉलोनियों में पानी जमा

विभाग ने अभी दो दिन तक बारिश का अलर्ट जारी किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

शनिवार को कैथल में बदरा जमकर बरसे, बरसात से फिर जलभराव की समस्या बनी। जलभराव की समस्या से वाहन चालक सहित अन्य राहगीर परेशान हुए। बारिश के कारण माता गेट, डोगरा गेट, अमरगढ़ गामड़ी, अंबाला रोड व करनाल रोड पर जलभराव हुआ। बारिश का पानी मुख्य बाजारों और कॉलोनियों की गलियों में भर गया, जिससे लोगों को के लिए परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर निम्न इलाकों और नालों के पास रहने वाले लोग पानी भरने से परेशान रहे। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के तहत आगामी तीन दिनों तक ओर से मानसून सक्रिय रहने के आसार हैं। मौसम विभाग अनुसार सितंबर माह महीने में भी बारिश का सिलसिला बना रहेगा। लोगों को अभी बारिश से राहत मिलने वाली नहीं है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कैथल। सड़कों पर जमा पानी से गुजरते वाहन चालक। फोटो :हरिभूमि

तापमान में आई गिरावट

मौसम विभाग अनुसार शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई, जिससे मौसम सुहाना हो गया। शनिवार को हवा चलने से खुशनुमा बना रहा दोपहर एक बजे से देर शाम तक चली रिमझिम बारिश ने मौसम और भी सुहावना बना दिया। पूरा दिन आसमान पर घने काले बादल छाए रहे। वहीं, मौसम विभाग ने अभी दो दिन तक बारिश का अलर्ट जारी किया है।

खबर संक्षेप

दो किलो 600 ग्राम गांजा के साथ एक गिरफ्तार

जींद। उचाना थाना पुलिस ने गांव सुरबूरा में छापेमारी कर एक व्यक्ति के कब्जे से दो किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया है। उचाना थाना पुलिस ने पकड़े व्यक्ति के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है। उचाना थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव सुरबूरा निवासी राजेश नशीले पदार्थों का कारोबार करता है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की जान गई

कैथल। नेशनल हाईवे 152 पर गांव नरड के निकट हुए सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा उसके परिजनों को सौंप दिया। गांव जाखोली के राजेश ने तितरम पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 4 सितंबर को जब उसका चचेरा भाई जसवीर सिंह बाइक पर सवार होकर गांव नरड के निकट से गुजर रहा था।

अवैध असलहा के साथ एक चढ़ा पुलिस हत्थे

जींद। सीआईए स्टाफ ने गांव रूपगढ़ के निकट एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से एक पिस्तौल बरामद किया है। सदर थाना पुलिस ने पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफकर्मी गांव रूपगढ़ की तरफ गश्त कर रहे थे। उसी दौरान एक युवक पुलिसकर्मियों को देख कर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर युवक को काबू कर लिया।

आभूषण- नकदी चोरी के आरोपित गिरफ्तार

कैथल। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एएसआई अशोक कुमार की टीम द्वारा आरोपी गांव लाखन माजरा जिला रोहतक निवासी ईंदल उर्फ जयपाल व गांव राजथल जिला हिसार निवासी जयसिंह को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि भागल निवासी निवासी लाल सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

मकान का ताला तोड़ डेढ़ लाख की नकदी-जेवर चोरी

जींद। गांव अलीपुरा में बीती रात चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर लगभग डेढ़ लाख रुपये की नगदी, सोना, चांदी के जेवरात व अन्य सामान को चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर उचाना थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव अलीपुरा निवासी सुभाष ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोर उसके मकान का ताला तोड़ कर अंदर घुस गए।

जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी दबोचा

कैथल। गांव पहाड़पुर में घर पर अवैध पिस्तौल से फायर करके जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पहाड़पुर निवासी देवी दयाल की शिकायत अनुसार 3 सितंबर की रात करीब 12 बजे गांव उमेदपुर निवासी दमन ने अपने साथियों के साथ उसके घर और जान से मारने की नीयत से चार फायर किए।

कोर्ट परिसर में मारपीट करने पर दो नामजद

जींद। सफीदों अदालत परिसर ने दो युवकों ने व्यक्ति पर हमला कर घायल कर दिया। शहर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनो के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सफीदों के अंग्रेज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी सफीदों निवासी प्रवीण तथा गांव टिटोखेड़ी निवासी शुभम से रंजिश चली आ रही है।

धोखाधड़ी करने का आरोपित भेजा जेल

कैथल। कनाडा भेजने के नाम पर दंपती से 7 लाख की धोखाधड़ी के मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा प्रभारी इंस्पेक्टर ओमप्रकाश की अगुवाई में एएसआई दर्शन सिंह की टीम द्वारा करते आरोपी गांव मटौर निवासी सत्यवान सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरदावरी की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

बारिश से खेतों में जलभराव होने से हो रहे नुकसान की भरपाई के लिए स्पेशल गिरदावरी करवा कर किसानों को मुआवजा देने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। संयुक्त कार्यालय परिसर में चल रहे संयुक्त किसान, मजदूर के धरने पर धरना संयोजक आजाद पालवां की अगुवाई में एसडीएम दलजीत सिंह के माध्यम से ज्ञापन सीएम को भेजा गया। पालवां ने कहा कि सरकार स्पेशल गिरदावरी करवा कर किसानों को कम से कम 50 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा दे ताकि जो नुकसान हो रहा है उसकी कुछ हद तक भरपाई हो सकें। आज कपास की फसल बिल्कुल खराब हो चुकी है तो धान की फसल भी खराब होने लगी है। उन्होंने कहा कि किसान के पास फसल ही आय का स्त्रोत होती है। फसल खराब होने पर किसानों पर आर्थिक मार पड़ती है। किसान हितैषी होने के दावे करने वाली भाजपा को चाहिए कि वो किसानों के लिए सहारा बनते हुए कम से कम 50 हजार रुपए प्रति एकड़ मुआवजा दे। इस मौके पर किसान नेत्री अनिता सुदकैन, जोधाराम कामरेड, जंगीर पालवां, टेकराम तारखा, सुरेश, बीर करसिंधु, रामफल उचाना, धीरा, फूल सिंह मौजूद रहे।

उचाना। एसडीएम को ज्ञापन देते आजाद पालवां एवं किसान। फोटो :हरिभूमि

प्रशासन का उद्देश्य आबादी को पानी से बचाना: एसडीएम

- एसडीएम ने जलभराव से प्रभावित आधा दर्जन गांवों का दौर किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

एसडीएम जगदीश चन्द्र ने कहा है कि उपमंडल प्रशासन वर्तमान बरसाती सीजन के दौरान जनसाधारण की राहत के लिए निरंतर सक्रिय है। क्षेत्र के बरसात प्रभावित इलाकों पर लगातार अधिकारियों द्वारा मॉनिर्टिंग की जा रही है और वे स्वयं भी जल प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन कर रहे है। आमजन भारी बरसात से उत्पन्न प्राकृतिक आपदा में संयम एवं आपसी तालमेल बनाकर रखेंए उन्हें किसी भी प्रतिकूल स्थिति से निपटने एवं राहत कार्य पहुंचाने में प्रशासन द्वारा कोई कोर कसर नहीं रखी जाएगी। एसडीएम जगदीश चन्द्र ने यह बात शनिवार को गांव सैंथली, भिखेवाला, ढ़ाकल, जाजनवाला सहित करीब आधा दर्जन गांवों का निरीक्षण दौरान ग्रामीणों से संवाद करते कही। गौरतलब है कि भिखेवाला गांव की एक बस्ती में बरसाती पानी ज्यादा गया था। बस्ती के इन सभी प्रभावित 35 परिवारों को गांव के दूसरे सार्वजनिक व अन्य स्थानों पर सुरक्षित विस्थापित किया जा चुका है। साथ विस्थापन स्थान पर पीड़ित परिवारों के लिए रोजमरा की तमाम जरूरी वस्तुओं एवं अन्य आवश्यकताओं की व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में की गई है।

नरवाना। दिशा-निर्देश देते एसडीएम। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

एसडीएम ने ग्रामीणों से बातचीत में यह भी कहा कि प्रशासन का पहला उद्देश्य आबादी को पानी से बचाना है। फिर भी किसी रिहायशी इलाके में अगर जलभराव की कोई स्थिति बनती है तो उसकी सूचना तुरंत प्रशासन के संज्ञान में लाए। प्रभावित व्यक्ति किसी भी सूचना के लिए प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम के नम्बर 01684-297888 पर भी सम्पर्क कर सकते है। इस मौके पर तहसीलदार निखिल सिंगला, सिंचाई विभाग कार्यकारी अभियंता सौरभ गर्गए बीडीपीओ अक्षयदीप व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कैथल। बैठक में विचार विमर्श करते अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

समस्याओं के समाधान के लिए समिति गठित

कैथल। एन आई आई एल एम विश्वविद्यालय में रिसर्च काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर (डॉ.)शमीम अहमद ने की। मीटिंग में मुख्य रूप से प्रोफेसर डॉ. रोशन लाल दिल्ली विश्वविद्यालय एवं प्रोफेसर डॉ. अरुणा ने एक्सटर्नल एक्सपर्ट के रूप में शिरकत की। बैठक में अनुसंधान को बढ़ावा देने और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित करने के तरीकों पर चर्चा की गई।नए शोध प्रस्तावों पर चर्चा की गई और उन्हें मंजूरी दी गई। शोधकर्ताओं के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और उन्हें बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई, बैठक का उद्देश्य अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और शोधकर्ताओं को समर्थन प्रदान करना था।बैठक में शोध की गुणवत्ता में सुधार के लिए सुझाव दिए गए और चर्चा की गई।आगामी बैठक में शोध प्रस्तावों की समीक्षा की जाएगी शोधकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है।

दोषियों के विरुद्ध तुरंत कारवाई की जाए

- स्कूल भवन के निर्माण कार्य में अत्यंत निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीवन

गुहला विधानसभा के विधायक देवेंद्र हंस ने राजकीय वमावि, कवारतन का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि विद्यालय भवन के निर्माण कार्य में अत्यंत निम्न स्तर की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है और कार्य में गंभीर अनियमितताएं बरती जा रही हैं। विधायक ने मौके पर ही गहरी नराजगी जताते अधिकारियों को फोन कर जवाब-तलब किया और सख्त लहजे में चेतावनी दी कि दोषियों के विरुद्ध तुरंत कारवाई की जाए। निरीक्षण के समय विधायक ने दीवारों में लगाई जा रही ईंटों और प्रयुक्त सीमेंट-बालू की गुणवत्ता स्वयं परखी और इसे बेहद घटिया पाया। इस पर विधायक ने कहा कि यह सीधा बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। विद्यालय प्राचार्य ने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य तकनीकी शिक्षा विभाग की देखरेख में हो रहा है और विद्यालय प्रशासन का इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं है। विभागीय लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते कहा कि अधिकारी और ठेकेदार मिलीभगत से भ्रष्टाचार कर रहे है।

सीवन। गाव कवारतन के स्कूल का निरिक्षण करते विधायक देवेंदर हंस

बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए राहत सामग्री को रवाना करते एडवोकेट दीपक वालिया।

राहत सामग्री भेजी

पूंडरी। उत्तर भारत में पिछले कई दिनों से हो रही भारी वर्षा और नदियों के उफान ने पंजाब प्रांत में तबाही मचा दी है। अनेक गांव बाढ़ की चपेट में हैं और हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे संकट के समय में कैथल जिला रेडक्रॉस ने आगे बढ़कर पीड़ितों की मदद के लिए राहत सामग्री भेजी। रेडक्रॉस के सचिव रामजी लाल ने बताया कि डिवीजन कमांडर एडवोकेट दीपक वालिया के मार्गदर्शन में पूंडरी से राहत सामग्री रवाना की गई। इसमें जूस, बिस्कुट, पानी की बोतलें, ब्रेड के पैकेट, चावल और अन्य खाद्य सामग्री शामिल रही। विशेष तौर पर प्रभावित इलाकों में पशुओं के लिए सूखे चारे की भी बड़ी खेप भेजी गई, ताकि वहां के लोगों के साथ-साथ उनके पशुधन को भी राहत मिल सके। दीपक वालिया ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं की घड़ी में मानवता के नाते हर व्यक्ति का दायित्व है कि वह जरूरतमंदों के साथ खड़ा हो।

किराये पर गाड़ियां ले फाइनेंस करवा साढ़े 15 लाख रुपये हड़पे

जींद। सफीदों रोड से गाड़ियां किराये पर लेकर उनमे से दो गाड़ियों के फर्जी दस्तावेज तैयार करवा साढ़े 15 लाख रुपये फाइनेंस करवा राशि हडपने का मामला सामने आया है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सफीदो रोड जवाहर नगर निवासी संजय ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया कि वह गाडियां किराये पर देता है। पुनीत उससे चंडीगढ़ में काम होने की बात कह कर पांच गाडियां किराये पर लेकर गया था। गत एक सितंबर को वह तीन गाड़ियां का वापस दे गया। पुनीत के पास दो गाड़ी रह गई। जिसमें स्कोर्पियो तथा इंडेवर शामिल है। करार के अनुसार दोनों गाडियों को आरोपित ने 31 अगस्त का वापस करना था।

विधायक सतपाल जांबा करेंगे शुभारंभ, पहले दिन हरियाणवी लोकनृत्य

बारह से होगा फल्गु लोककला महोत्सव का आरंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

फल्गु तीर्थ पर कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा सरकार और फल्गु मंदिर समिति के संयुक्त तत्वावधान में 11वें फल्गु लोककला महोत्सव का आयोजन 12 सितंबर से 14 सितंबर तक होगा। फल्गु मंदिर सुधार समिति के सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि इस आयोजन के पहले दिन 12 सितंबर को हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिसमें वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उर्दू प्रकोष्ठ के निदेशक डॉ चंद्र त्रिखा के सान्निध्य में मुख्य अतिथि के रूप में पूंडरी विधायक सतपाल जाम्बा जबकि अध्यक्ष के रूप में हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के सदस्य सचिव मनजीत सिंह उपस्थित रहेंगे। वरिष्ठ शिक्षाविद् एवं साहित्यकार रामबीर सिंह तथा करनाल के समाजसेवी विकास गर्ग बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। हरियाणवी लोकनृत्य कार्यक्रम में बलराज समूह के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे। दिनेश शर्मा ने आगे बताया की 13 को लोकगायन कार्यक्रम में प्रदेश के प्रसिद्ध लोकगायक राजबाला बहादुरगढ़, सुरेश भाणा, आरती जांगड़ा, दिनेश शर्मा किलोई हरियाणवी रागनियों की प्रस्तुति देंगे। जिसमें चौ. रणबीर सिंह विवि जींद के कुलपति डॉ रामपाल सैनी मुख्य अतिथि रहेंगे, अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार जयभगवान सिंगला करेंगे। लोकगायन कार्यक्रम में जनता कॉलेज के प्राचार्य डॉ ऋषिपाल विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

चौदह सितंबर को कवि सम्मेलन

महोत्सव के अंतिम दिन 14 सितंबर को हरियाणवी मखौल और कवि सम्मेलन का आयोजन होगा। जिसमें हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रोफेसर कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य अतिथि होंगे और अध्यक्ष के रूप में कैथल के सुप्रसिद्ध समाज सेवी सुभाष गर्ग कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। जबकि अमरजीत सिंह, सूचना आयुक्त, हरियाणा सरकार, डॉ. पवन शर्मा, निदेशक,आकाशवाणी केंद्र, हिसार और विख्यात समाजसेवी विजय विशिष्ट अतिथि रहेंगे।

उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान

महोत्सव में कला एवं सास्कृतिक कार्य विभाग के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। महोत्सव के आयोजन में इंद्रप्रस्थ अध्ययन केंद्र, नई दिल्ली सहयोगी संस्था के रूप में शामिल रहेगी। शर्मा ने लोककला महोत्सव के आयोजन में सहयोग के लिए कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के महानिदेशक के एम पांडुरंग का धन्यवाद किया। उन्होंने सभी क्षेत्र-वासियों से तीन दिवसीय उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए आह्वान किया।

परिचय सम्मेलन समारोह आज, सभी तैयारियां पूरी

जींद। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा द्वारा सात सितंबर रविवार को श्री श्याम गार्डन में उत्तर भारत स्तरीय विवाह योग्य परिचय सम्मेलन समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में 17 राज्यों के एक हजार से ज्यादा प्रत्याशी अपने जीवनसाथी की तलाश में जींद पहुंचेगे। विदेशों से भी विवाह योग्य प्रत्याशी इस समारोह में शिरकत करेंगे। नेपाल से भी विवाह योग्य प्रत्याशियों ने भी पंजीकरण करवाया है। इस सम्मेलन में चार राज्यों के मंत्री व विधायक अतिथिगण के तौर पर शामिल होंगे। इसके साथ-साथ देश प्रदेश से अग्रवाल समाज के कई राष्ट्रीय नेता भी समारोह में शिरकत करेंगे। इस समारोह का आयोजन अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल की देख रेख में किया जा रहा है।

लगातार दमक रहे सोना-चांदी, आठ माह में दिया 36% व 42% तक रिटर्न

- रिटर्न देने में सभी एसेट्स को पीछे छोड़ा, निवेशक मालामाल
- सही रणनीति बनाकर निवेश किया जाए तो मिलेगा फायदा
- हाल में आई तेजी के बीच सोने में निवेश की सही प्लानिंग करें
- गोल्ड व सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने 40% से ज्यादा रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

दुनिया में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की दहशत के बीच सोना-चांदी निवेश के सबसे भरोसेमंद विकल्प बनकर उभर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सोने ने इस साल अब तक 8 माह में करीब 36% तक और चांदी ने करीब 42% तक रिटर्न दिया है। यानी इन 8 महीनों में चांदी सोने से काफी आगे निकल गई है। अगर रुपये में बात करें तो चांदी 37,281 रुपये प्रति किलोग्राम महंगी हुई है। वहीं, सोना 27,976 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हुआ है। जानकारों का कहना है कि इस साल के आखिरी तक रिटर्न के मामले में चांदी सोने को बहुत पीछे छोड़ सकती है। सोने लगातार बढ़ती कीमतों के बीच लोगों को अब इसमें प्लानिंग तहत निवेश करना होगा। वरना यह झटका भी दे सकता है। हालांकि कहा जाता है कि सोना पुराने समय से ही भरोसे का निवेश रहा है। सोने-चांदी की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। बीते एक साल में गोल्ड और सिल्वर पर आधारित ज्यादातर ईटीएफ ने भी 40% से ज्यादा एवरेज रिटर्न दिया

है। निवेशकों के लिए बड़ा सवाल यह है कि क्या इस तेजी के बाद अब भी सोने-चांदी में निवेश करना सही रहेगा? और अगर हां, तो किस तरीके से।

सोने-चांदी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर

सोने-चांदी की कीमतें नई ऊंचाइयां छू रही हैं। इनका असर ईटीएफ पर भी पड़ा है। पिछले 12 महीनों में गोल्ड ईटीएफ ने औसतन 40.44% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 16 गोल्ड ईटीएफ मार्केट में एक्टिव रहे, जिनमें टाटा गोल्ड ईटीएफ ने सबसे ज्यादा 40.76%, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल गोल्ड ईटीएफ ने 40.74% और आदित्य बिरला सनलाइफ गोल्ड ईटीएफ ने भी 40.67% का मजबूत रिटर्न दिया।

क्यों बढ़ रही है सोने-चांदी की चमक

जानकारों के मुताबिक सोने और चांदी की कीमतों में यह उछाल जियो-पोलिटिकल टेंशन, टैरिफ को लेकर जारी उथल-पुथल और इंडस्ट्रियल डिमांड की वजह से आया है. खासतौर पर सिल्वर की डिमांड सेमीकंडक्टर, सोलर पैनल, इलेक्ट्रिक व्हिकल (ईवी) और ग्रीन टेक्नोलॉजी में ज्यादा हो रही है। यही वजह है कि चांदी 10 साल के ऊंचे स्तर पर पहुंची है। सोना पारंपरिक रूप से एक डिफेंसिव एसेट माना जाता है, जो बाजार में अनिश्चितता और डर के समय निवेशकों को सुरक्षा देता है। यही कारण है कि हर अस्थिर दौर में सोने की कीमतें ऊपर जाती हैं।

पोर्टफोलियो में कितना हो गोल्ड-सिल्वर का हिस्सा

आपके पोर्टफोलियो में सोने-चांदी की हिस्सेदारी 10–20% से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। बाकी निवेश इक्विटी और डेट में होना चाहिए। आमतौर पर 80:20 का इक्विटी-डेट रेशियो संतुलित माना जाता है, और सोना-सिल्वर इसमें हेजिंग यानी रिस्क से बचाने का काम करते हैं। इसका मतलब है कि गोल्ड और सिल्वर आपको लगातार ऊंचा रिटर्न नहीं देंगे, लेकिन आपके पोर्टफोलियो को अस्थिरता से बचाने और डाइवर्सिफिकेशन देने का काम करेंगे।

ईटीएफ और एसआईपी के जरिये निवेश बेहतर

सोने-चांदी की मौजूदा ऊंची कीमतों पर एकमुश्त निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। बेहतर है कि निवेशक एसआईपी (एसआईपी) के जरिए धीरे-धीरे इनमें पैसा लगाएं। इससे कीमतों के उतार-चढ़ाव की एवरेजिंग हो जाती है और लंबी अवधि में बेहतर नतीजे मिलते हैं। ईटीएफ सोने-चांदी में निवेश का सबसे आसान और ज्यादा पारदर्शी तरीका है। गोल्ड ईटीएफ में हर यूनिट आम तौर पर 1 ग्राम सोने की वैल्यू को बताती है। इन्हें आप डिमैट अकाउंट के जरिए शेयरों की तरह खरीद-बेच सकते हैं. सिल्वर ईटीएफ भी इसी तरह काम करते हैं।

निवेशकों के लिए क्या है सही रणनीति

अगर आप सोने-चांदी में निवेश करना चाहते हैं तो इसे स्पेक्युलेटिव यानी सट्टे नजरिए से नहीं बल्कि एसेट एलोकेशन के नजरिए से देखें। यह लंबे समय में आपके पोर्टफोलियो को स्टेबल और सुरक्षित बनाते हैं।

- पोर्टफोलियो में गोल्ड और सिल्वर की हिस्सेदारी 10–20% तक रखें
- एकमुश्त निवेश की बजाय एसआईपी से धीरे-धीरे खरीदें
- ईटीएफ को प्रायोरिटी दें क्योंकि वे पारदर्शी, आसान और लिक्विड होते हैं

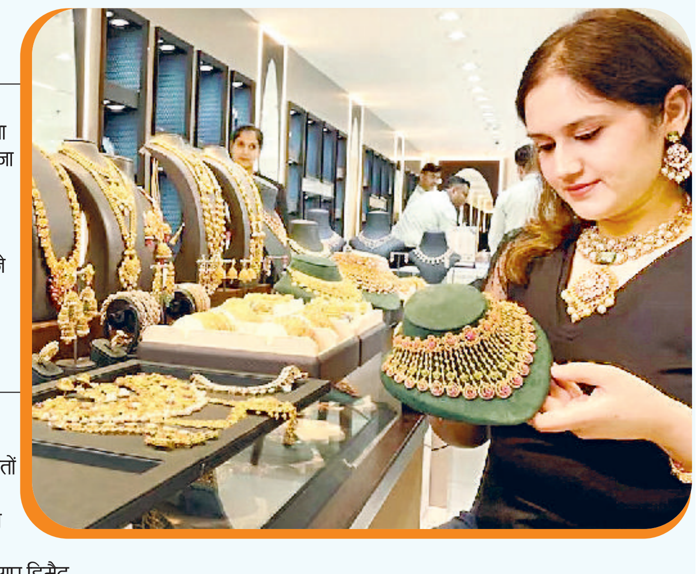

- अगर प्रोफेशनल मैनेजमेंट चाहिए तो मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड भी विकल्प हो सकते हैं

सावधानी से बढ़ाएं कदम

सोने-चांदी में तेजी के बावजूद निवेशकों को सावधानी से कदम बढ़ाना चाहिए। यह सही है कि हाल में ईटीएफ ने 40% तक का रिटर्न दिया है, लेकिन भविष्य में इनका रोल मुख्य रूप से पोर्टफोलियो को स्टेबल रखने और जोखिम कम करने का रहेगा। सही रणनीति यही है कि इन्हें लंबी अवधि के लिए एसेट एलोकेशन का हिस्सा बनाएं, न कि शॉर्ट-टर्म मुनाफे के लिए। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 की पहली छमाही में सोने में जो तेजी देखी गई है, वह लंबी खिंच सकती है और अब नई खरीदारी से बचना चाहिए, क्योंकि कीमतें पहले से ही काफी ऊंचाई पर पहुंच गई हैं।

क्या होती है नो-कॉस्ट ईएमआई क्या सच में नहीं लगता ब्याज?

- जानिए कैसे रिटेलर और बैंक ब्याज को एडजस्ट करते हैं
- किस तरह सही ऑफर चुनकर बचत की जा सकती है
- कोई भी सामान खरीदने से पहले एक बार जरूर देख लें
- तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता

जानकारी
बिजनेस डेस्क

त्योहारी सीजन आते ही ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स और बैंक 'नो-कॉस्ट ईएमआई' का खूब प्रचार करते हैं। मोबाइल, लैपटॉप, टीवी से लेकर फ्रिज और वॉशिंग मशीन तक, हर जगह यह ऑफर देखने को मिल जाता है। सुनने में तो यह बहुत लुभावना लगता है कि महंगी चीज बिना ब्याज के आसान किस्तों में मिल जाएगी। इसे देखकर अक्सर ग्राहक भी ललचा जाते हैं और ज्यादा से ज्यादा सामना खरीदने का प्रयास करते हैं। ऐसे त्योहारी सीजन में खासकर होता है। लेकिन क्या नो-कॉस्ट ईएमआई सच में 'फ्री' है? इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ तथ्य जिनसे पता चलेगा की नो-कॉस्ट ईएमआई कभी भी फ्री नहीं होता। इसके कुछ ने कुछ हिडन चार्ज जरूर होते हैं, जिन्हें बैंक बड़ी असानी से एडजस्ट करते हैं और कस्टमर को पता तक नहीं चलने देते। आइए एक्सपर्ट समझते हैं नो-कॉस्ट का पूरा खेल। जानकारों का कहना है कि नो-कॉस्ट ईएमआई का मतलब यह होता है कि जब आप कोई प्रोडक्ट किस्तों में खरीदते हैं, तो आपको अतिरिक्त ब्याज नहीं देना पड़ता। लेकिन हकीकत में 'नो कॉस्ट' ईएमआई पूरी तरह से फ्री नहीं होती, बल्कि इसमें ब्याज या चार्जेज को अलग तरीके से एडजस्ट किया जाता है।

कैसे काम करती है नो-कॉस्ट ईएमआई

डिस्काउंट या सब्सिडी: अब मान लीजिए कि आपने 30,000 का स्मार्टफोन ईएमआई पर खरीदा। इसकी ईएमआई पर बैंक ब्याज लेगा, क्योंकि यही तो उसका बिजनेस है। सामान्य ईएमआई पर बैंक 12% ब्याज दर से 12 महीने की ईएमआई बनाएगा। ऐसे में कुल लागत लगभग 31,800 रुपये हो जाती, लेकिन रिटेलर या ब्रांड आपको ब्याज जितना डिस्काउंट दे देता है। असल में आप कुल 30,000 ही चुकाते हैं। 1,800 के ब्याज का बोझ कंपनी उठा लेती है। कई ऑफर में ब्याज सीधे नहीं दिखाया जाता। यानी आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई है, कोई ब्याज नहीं लगेगा'। जैसे कि प्रोडक्ट का कैश प्राइस 30,000 है। डिस्काउंट के साथ वह 27,000 में मिलता। ईएमआई पर वही प्रोडक्ट 30,000 के कुल ईएमआई में बांट दिया गया। आपको लगता है 'नो कॉस्ट ईएमआई ' है, लेकिन आप 3000 रुपये की बचत गंवा रहे।

क्या वाकई मुफ्त है नो-कॉस्ट ईएमआई : अगर तकनीकी रूप से देखें, तो 'नो कॉस्ट ईएमआई कभी पूरी तरह मुफ्त नहीं होता। अगर रिटेलर सब्सिडी दे रहा है तो उसका खर्च कंपनी वहन कर रही है, जिससे उसका मार्जिन घटता है। अगर कीमत बढ़ाकर एडजस्ट किया गया है तो ग्राहक ने इनडायरेक्ट तरीके से ब्याज ही चुका दिया।

कई बार नहीं मिलते ऑफर : कई बार नो कॉस्ट ईएमआई के साथ अन्य डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध नहीं होते, यानी कैशबैक या कूपन का फायदा हाथ से जा सकता है। जैसे कई बार कंपनियां 30,000 के प्रोडक्ट का एमआरपी ही 32,000 लिख देती हैं और नो कॉस्ट ईएमआई पर बेचती हैं। ग्राहक को लगता है कि ब्याज नहीं लगा, जबकि उसने पहले से बढ़ी हुई कीमत चुका दी।

क्या है आरबीआई का नियम

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2013 में साफ किया था कि नो कॉस्ट ईएमआई स्कीम्स में ब्याज शून्य दिखाना भ्रामक हो सकता है। इसके बाद एनबीएफसी और बैंकों ने इन ऑफर्स को अलग तरह से डिजाइन किया। अब प्रैक्टिकली ब्याज का बोझ मैन्युफैक्चरर या रिटेलर उठाता है, ग्राहक को 'नो कॉस्ट' का अनुभव देने के लिए।

इन बातों पर जरूर दें ध्यान

एमआरपी और सेलिंग प्राइस चेक करें। जैसे कि क्या ईएमआई प्रोडक्ट असली डिस्काउंट प्राइस पर मिल रहा है या बढ़ी हुई कीमत पर? ऑफर्स की तुलना करें। कई बार सीधा डिस्काउंट ऑफर लेना नो कॉस्ट ईएमआई से सस्ता पड़ता है। प्रोसेसिंग फीस देखें। कुछ बैंकों में प्रोसेसिंग फीस या जीएसटी अलग से लिया जाता है। टेन्योर को जरूर समझें। जैसे कि ईएमआई कितने महीनों में देनी है और क्या पहले भुगतान करने पर कोई पेनल्टी लगेगी? अपने बजट पर भी ध्यान दें। किस्तों में पेमेंट आसान लगता है, लेकिन खर्च बढ़ाने का लालच भी दे सकता है।

सैलरी का सिर्फ 10 पर्सेंट हर महीने बचाकर भी बन सकते हैं करोड़पति

●पहले लक्ष्य तय करें, इसके बाद लंबे समय तक निवेश में डटे रहें ●30 साल में बनाया जा सकता है 1.23 करोड़ का फंड ●छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश बना देगा धनवान

बचत
बिजनेस डेस्क

आज के समय में हर किसी का सपना होता है कि वह रिटायरमेंट तक अपने लिए एक बड़ा फंड जमा कर सके, लेकिन कई लोग सोचते हैं कि करोड़ों रुपये की बचत के लिए बहुत बड़ी सैलरी होनी चाहिए। जबकि सच यह है कि छोटी-छोटी बचत और लंबे समय तक निवेश की आदत किसी को भी करोड़पति बना सकती है। एक उदाहरण से आप इसे बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी अपनी सैलरी का सिर्फ 10% हर महीने बचाकर एसआईपी के जरिए 30 साल में 1.23 करोड़ रुपये का फंड खड़ा कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि कैसे एक निजी कंपनी में काम करने वाले भी धीरे-धीरे करोड़ों रुपये का फंड बना सकते हैं।

ऐसे समझें निवेश का गणित

मान लीजिये आपकी उम्र अभी 22 साल है और वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। आपकी हर महीने की सैलरी 40,000 रुपये है। युवा उम्र में ही आपने तय कर लिया कि वह अपनी रिटायरमेंट की प्लानिंग अभी से शुरू करेंगे तो आपको हर महीने अपनी कमाई का सिर्फ 10% यानी 4,000 को म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगाना शुरू करना होगा। इसे आप किसी भी हालत में निकालेंगे नहीं और समय के साथ अपने फंड का बढ़ाते जाएंगे। आप देखेंगे की कुछ ही समय में आपका पैसा बढ़ने लगेगा।

50 की उम्र तक करोड़पति बनेंगे

अगर आप अपना लक्ष्य लेकर चलते हैं और निवेश को लगातार बढ़ाते जाएंगे तो आसानी से 50 साल की उम्र तक करोड़पति बन सकते हैं। इसके कंपाउंडिंग का पैसा आपकी रकम को और बढ़ाता जाएगा। आपका लक्ष्य था कि जब वह 50 साल की उम्र को पार करे, तो उसके पास एक करोड़ रुपये से ज्यादा का रिटायरमेंट फंड हो। इस तरह आपका लक्ष्य पूरा हो सकेगा। इसके लिए आपको लगातार 30 साल तक 4,000 हर महीने एसआईपी में निवेश करना जरूरी होगा। एसआईपी के लिए 12% सालाना रिटर्न वाले इक्विटी म्यूचुअल फंड को चुनना होगा।

पूरा कैलकुलेशन

आपने 30 साल तक हर महीने 4,000 की एसआईपी की। इस तरह उसका कुल निवेश 4,000 x 12 महीने x 30 साल = 14,40,000 रुपये हुआ। इस निवेश पर उसे 12% की औसत वार्षिक रिटर्न दर मिली। कंपाउंडिंग के जादू से 30 साल बाद उसका निवेश बढ़कर 1,23,23,893 रुपये हो गया। यानी, 14.4 लाख रुपये निवेश करने पर उसे 1,08,83,893 का रिटर्न मिला। यह दिखाता है कि लंबे समय तक नियमित निवेश करने से छोटी रकम भी करोड़ों में बदल सकती है।

युवाओं के लिए बड़ी सीख

यह कहानी हर युवा के लिए प्रेरणादायक हो सकती है जो अपनी रकम को बढ़ाना चाहते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि रिटायरमेंट या भविष्य की प्लानिंग के लिए बड़ी सैलरी या मोटा निवेश जरूरी है, लेकिन सही रणनीति, अनुशासन और जल्दी शुरुआत से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। अगर आप 10 साल बाद यानी 32 साल की उम्र में निवेश शुरू करता, तो उसे 20 साल का समय मिलता। इतने समय में उसका निवेश लगभग आधा ही होता। इससे साबित होता है कि निवेश जितनी जल्दी शुरू करें, उतना बेहतर।

ये मंत्र भी अपनाएं

1. वित्तीय शिक्षा प्राप्त करें
वित्तीय शिक्षा आपको पैसे के प्रबंधन, निवेश व बचत के बारे में जानने में मदद करेगी। यह आपको वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए ठोस योजना बनाने में मदद करेगी।

2. नियमित बचत करें
नियमित बचत करना करोड़पति बनने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अपने आय का एक हिस्सा नियमित रूप से बचाएं और इसे निवेश में लगाएं।

3. निवेश करें
निवेश करना आपके पैसे को बढ़ाने का एक अच्छा तरीका है। शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, और रियल एस्टेट जैसे विभिन्न निवेश विकल्पों का पता लगाएं और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करें।

4. व्यवसाय शुरू करें
व्यवसाय शुरू करना करोड़पति बनने का एक अच्छा तरीका हो सकता है। अपने जुनून और कौशल के अनुसार व्यवसाय शुरू करें और इसे सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत करें।

5. नेट वर्थ बढ़ाएं
नेट वर्थ बढ़ाने के लिए, अपनी आय बढ़ाने और व्यय कम करने पर ध्यान दें। अपने ऋणों का भुगतान करें और अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए निवेश करें।

6. धैर्य रखें
करोड़पति बनने में समय लगता है। धैर्य रखें और अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करते रहें।

7. वित्तीय अनुशासन
वित्तीय अनुशासन करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अनुशासन में रहें और अपने व्यय को नियंत्रित रखें।

8. नेटवर्क बनाएं
नेटवर्क बनाना करोड़पति बनने में मदद कर सकता है। अपने उद्योग में लोगों से मिलें और अपने व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्क का उपयोग करें।

9. जोखिम उठाएं
जोखिम उठाना करोड़पति बनने का एक हिस्सा है। अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जोखिम उठाने के लिए तैयार रहें, लेकिन जोखिम को प्रबंधित करने के लिए भी तैयार रहें।

10. सीखना जारी रखें
सीखना जारी रखना करोड़पति बनने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उद्योग में नवीनतम रुझानों और तकनीकों के बारे में सीखें व अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए काम करें।

प्लानिंग जैसे-जैसे आय बढ़ती है, वैसे-वैसे निवेश की रफ्तार को भी बढ़ाएं, इससे जल्द पैसा बढ़ेगा

अनावश्यक खर्च करने से बचें, ऑफर का देखकर ललचाएं नहीं निवेश की अच्छी रणनीति बनाएं और अपने भविष्य को सुरक्षित करें

जीवन में आगे बढ़ने के साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, स्टेप अप एसआईपी आपको अमीर बनाने में निभाएगी बड़ी भूमिका

सुझाव
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश करके अपना पैसा बढ़ाना चाहते हैं तो आपको थोड़ा संयम बरतना होगा और जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ अपने निवेश को भी बढ़ाना होगा। तभी आप अपने धन को बढ़ा पाएंगे और बुढ़ापे में खुद को आर्थिक रूप ये मजबूत रख पाएंगे। देखने में आता है कि नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। आइए समझते हैं कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है?

स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं।

आपकी बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल

जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात देन के लिए निवेश जरूरी

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में

होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी ज़रूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेज़ी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

स्टेप-अप एसआईपी बेहतरीन तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी ज़िंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और ज़रूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे। तो, क्या आप निवेश का सही कदम उठाने के लिए तैयार हैं?

ऐसे तैयार करें निवेश की रणनीति

विविधीकरण : विविधीकरण एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को विभिन्न परिसंपत्तियों में फैलाते हैं, जैसे कि शेयर, बॉन्ड, रियल एस्टेट, और अन्य। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बढ़ सकता है।

लंबी अवधि का निवेश : लंबी अवधि का निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश को लंबी अवधि के लिए रखते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

नियमित निवेश : नियमित निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप नियमित रूप से एक निश्चित राशि निवेश करते हैं। इससे आपको बाजार की अस्थिरता से बचने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

जोखिम प्रबंधन : जोखिम प्रबंधन एक महत्वपूर्ण निवेश रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश के जोखिम को प्रबंधित करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश : वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार निवेश करते हैं। इससे आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

निवेश की लागत को कम करना : निवेश की लागत को कम करना एक महत्वपूर्ण रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश की लागत को कम करते हैं। इससे आपको अपने रिटर्न को बढ़ाने में मदद मिलती है।

नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना : नियमित रूप से पोर्टफोलियो की समीक्षा करना एक अच्छी रणनीति है जिसमें आप अपने निवेश पोर्टफोलियो की समीक्षा करते हैं और आवश्यकतानुसार बदलाव करते हैं। इससे आपको अपने निवेश को सुरक्षित रखने में मदद मिलती है और रिटर्न बढ़ सकता है।

खबर संक्षेप

दुष्यंत चौटाला का जींद का दौरा आज

उचाना। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सात सितंबर को जींद जिले के दौरे पर होंगे। जेजेपी जिलाध्यक्ष जोरा सिंह डूमरखा ने कहा कि उचाना हलके के पेगां, मंगलपुर, जींद की डिफेंस कालोनी, अर्बन इस्टेट, भकलाना गांव जाएंगे। जुलाना हलके के करेला गांव में पंप हाउस एवं जलस्तर का जायजा ले किसानों की समस्याओं को सुनेंगे।

स्वास्थ्य टीमों ने किया रेपिड फीवर मास सर्वे

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामराय के अंतर्गत रामगढ़ गांव में विकास, दिनेश, बजरंग, संतोष एमपीएचडब्ल्यू व आशा वर्कर की टीम द्वारा रैपिड फीवर मास सर्वे किया गया। एमपीएचडब्ल्यू विकास ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रैपिड फीवर मास सर्वे के दौरान बुखार पीड़ित की रक्त पट्टिका बनाई और घरों के टंकी, कूलर, होदी, ड्रम, फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे, छतों पर पड़े कबाड़ आदि में लारवा की जांच की गई।

ताऊ देवीलाल का जयंती कार्यक्रम रोहतक में होगा

जींद। इनेलो जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह रेढू ने बताया कि स्व. ताऊ देवीलाल का 112वां जन्मदिवस सम्मान दिवस के रूप में इनेलो द्वारा इस बार रोहतक की नई अनाज मंडी में मनाया जा रहा है। जिसके लिए पार्टी ने सभी सीनियर नेताओं की ड्यूटी लगाई हुई है। जो गांव-गांव जाकर लोगों को निमंत्रण देने का काम करेंगे। ताऊ देवीलाल किसी एक पार्टी या किसी परिवार के व्यक्ति नहीं थे वो सभी के लोकप्रिय नेता रहे हैं।

शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया

जींद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण तथा अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉक्टर चन्द्रहास के निर्देशानुसार एडीआर सेंटर के सभागार में शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया।

मेधावी छात्र संशोधित योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही प्रतिस्पर्धा को ध्यान में रखते हुए अनुसूचित जाति, घुमंतू, अर्ध घुमंत, टपरीवास, पिछड़े वर्ग तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए डा. बीआर अंबेडकर मेधावी छात्र संशोधित योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। जिला कल्याण अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया 15 अगस्त से शुरु हो चुकी है।

बिना टेप वाले कनेक्शन धारकों को नोटिस जारी

जींद। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति में पंप ऑपरेटर की भूमिका अहम है। इसलिए उनहे लग्न व मेहनत के साथ अपनी ड्यूटी को निभाना चाहिए। यह बात जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार डा. रणधीर मताना ने गांव झांझ कलां, सच्चाखेड़ा व जाजवान में पंप ऑपरेटर से बातचीत करते हुए कही। इससे पूर्व उन्होंने गांव झांझ कलां में उपभोक्ताओं के घर-घर पहुंच कर उनसे बातचीत की।

नाबालिग लड़की से अश्लील हरकत

जींद। सदर थाना नरवाना इलाके में नाबालिग लडकी को कार्यवश घर मे बुला अश्लील हरकत करने का मामला सामने आया है। सदर थाना नरवाना पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ अश्लील हरकत चाइल्ड प्रोटेक्शन एक्ट समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डेंगू की रोकथाम के लिए डीसी ने दिए सख्त निर्देश

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि बारिश के बाद जिले में मच्छर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पूरी गंभीरता और समन्वय से कार्य करते हुए वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण सुनिश्चित करें।

इंडस पब्लिक स्कूल में अध्यापक दिवस धूमधाम से मनाया

अध्यापक हमारे जीवन के मार्गदर्शकः सुभाष श्योराण

पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से शिक्षक और विद्यार्थी के संबंधों पर डाला प्रकाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

इंडस पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शिक्षक दिवस के उपलक्ष में शिक्षकों द्वारा एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यअतिथि के रूप में इंडस संस्थाओं के निदेशक सुभाष श्योराण ने शिरकत की। इस मौके पर इंडस स्कूल की निदेशका रचना श्योराण, स्कूल प्राचार्या अरूणा शर्मा, इंडस संस्थाओं के कॉर्डिनेटर प्रवीन परूथी, स्कूल उपप्राचार्य प्रवीन कुमार और मुख्य अध्यापिका गुरमीत कौर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यअतिथि सुभाष श्योराण और इंडस स्कूल के सभी स्वागतकर्ता सदस्यों ने दीप प्रज्जवलित कर किया। अध्यापक दिवस के शुभ अवसर पर भाषण, कविता-पाठ, पीपी टी प्रैजेंटेशन, समूह नृत्य, गजल और भजन ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से शिक्षक और विद्यार्थी के संबंधों पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर रोटरी मिडटाउन जींद के पदाधिकारीगण की तरफ से इंडस के 11 शिक्षकों अशोक गौतम, संमुद्र मलिक, शिवकेश शर्मा, संजय खरबंदा, सुमनलता, पूजा शर्मा, ज्योति शर्मा, राखी शर्मा, सीमा परूथी, आशा रानी और ललिता रोहिला इन सभी को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। दूसरी तरफ शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर 20 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद प्राइमरी अध्यापिका आभा जैन को सेवानिवृत्ति दी गई। इस अवसर पर निदेशक सुभाष श्योराण ने आभा जैन के 20 साल के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्होंने प्राइमरी में लंबे समय तक बच्चों को पढ़ाया और उनका मार्गदर्शन किया।

जींद। अध्यापिका को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

जींद। सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते हुए। फोटो :हरिभूमि

भविष्य की मंगल कामना

उन्होंने कहा कि आभा जैन को आदर्श शिक्षक और मार्गदर्शक के रूप में हमेशा याद किया जाएगा। शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी अध्यापकों को शुभकामनाएं देते कहा कि शिक्षिक हमारे जीवन के मार्गदर्शक हैं, जो हमें सही रास्ते पर चलना सिखाते हैं। उन्होंने गुरू को सर्वश्रेष्ठ बताते कहा कि भगवान को पाने का रास्ता गुरू के माध्यम से मिलता है। इस दौरान उन्होंने डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शों को आत्मसात करने की प्रेरणा दी। इस विशिष्ट अवसर पर स्कूल प्राचार्या अरूणा शर्मा ने अध्यापक दिवस पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आभा जैन की कमी इंडस परिवार को हमेशा महसूस होगी। उन्होंने उनके भविष्य की मंगल कामना की। शिक्षक दिवस के अवसर पर उन्होंने कहा कि हमें डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के सिद्धांतों पर चल कर अपने जीवन को को सार्थक बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सब अध्यापकों का कर्तव्य है कि हम बच्चों के अंदर छिपी हुई प्रतिभा को निकाल कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। स्कूल प्राचार्या अरूणा शर्मा ने भी अध्यापक दिवस पर अध्यापकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई दी।

कैथलः जाट कॉलेज बीएससी स्पोर्ट्स चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

- जाट कॉलेज खेलों के साथ परीक्षा परिणाम में भी अव्वल : राजकुमार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

जाट कॉलेज, कैथल में बीएससी स्पोर्ट्स चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम शानदार रहा। जानकारी देते कालेज प्राचार्य डॉ. दिनेश सिंह ढिल्लों व शारीरिक शिक्षा विभाग अध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि अभी कुविवि द्वारा बीएससी स्पोर्ट्स चतुर्थ सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम जारी किया है । बीएससी स्पोर्ट्स में हमारे 40 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी जिसमें 06 छात्रों ने मेरिट में स्थान प्राप्त किया है जिसमें जन्नत ने 85.2%. मुस्कान ने 84%. रजत ने 81.8%. सागर ने 80.8%. चिराग सोनी ने 80.6%. सागर सिंह ने 80.2% अंक प्राप्त किए। 15 छात्रों ने 70% से 80% तक अंक प्राप्त किए हैं व अन्य विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी से परीक्षा उत्तीर्ण की है। अभी 2 वर्ष पूर्व ही जाट कॉलेज में बीएससी स्पोर्ट्स का कोर्स शुरू हुआ था इतने कम समय में छात्रों ने श्रेष्ठ उपलब्धि प्राप्त कर कालेज का नाम रोशन किया है। रजत, स्वतंत्रपाल सिंह,, जसवीर मानस ने महाविद्यालय में पहुंचकर छात्रों व स्टाफ सदस्यों को विशेष रूप से बधाई दी व मेरिट प्राप्त छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते पदाधिकारी

राजौंद। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को लेकर लेकर शपथ लेटी हुई महिलाएं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का दिया संदेश

राजौंद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद के अंतर्गत सब सेंटर राजौंद सरोज आगनवाड़ी केंद्र पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बारे जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सिविल सर्जन डॉ रेनू चावला के दिशा निर्देश व वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में एरिया की सभी आशा वर्कर,आंगनबाड़ी वर्करों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के बारे में बताया गया। उन्हें बताया गया कि जब हम बेटी नहीं बचाएंगे तो बहू कहां से लेकर आएंगे। गिरते हुए लिंगानुपात में सुधार के लिए वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संदीप सिंह ने लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई व्यक्ति लिंग जांच करता है या इस तरह के किसी गलत कार्य में सक्रिय है तो उसकी सूचना तुरंत हमें दे। कुछ लोग पैसे के लालच में बेटियों की हत्या कोख में ही कर रहे हैं,जो की एक पाप है। लोगों को ऐसा पाप बिल्कुल नहीं करना चाहिए और प्रसव पूर्व लिंग जांच किसी भी हालत में नहीं करवानी चाहिए।

राजौंदः डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन की जयंती मनाई

राजौंद। किठाना कॉलेज ऑफ एजुकेशन में शिक्षक दिवस पर के अवसर पर महान दार्शनिक, शिक्षा शास्त्री और भारत के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधा कृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कॉलेज प्रांगण ज्ञान, सम्मान और संस्कारों की सुगंध से महक उठा। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया । कालेज प्राचार्या डा. निर्मल ने कहा की शिक्षक वह दीपक हैं, जो स्वयं जलकर दूसरों का मार्ग प्रकाशित करता हैं। शिक्षक दिवस केवल उत्सव नहीं बल्कि यह हमारे जीवन में गुरु के महत्व को स्मरण करने का अवसर है। हमें सदैव अपने शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए और उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की और कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां छात्र छात्राओं के व्यक्तित्व विकास में सहायक होती हैं।

भजनों और संकीर्तन में झूमे श्रद्धालु

सीवन। शांति मोहल्ला सेवा समिति की ओर से नगर में चल रहे श्री गणेश उत्सव का समापन भव्य संकीर्तन और भजनों के साथ हुआ। अंतिम दिन शुक्रवार रात्रि को आयोजित संकीर्तन में श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों और भजनों पर झूमकर नृत्य किया और भक्ति रस में सराबोर हो गए। इस अवसर पर संकीर्तन का आयोजन वैष्णो दुर्गा मंडल, सीवन की ओर से किया गया। भजन गायक केवल मिड्डा ने /"तू मेरी सच्ची सरकार मां झंडेवाली/" जैसे भजनों की प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। पूरे पंडाल में भक्ति और उल्लास का वातावरण छा गया। संकीर्तन का शुभारंभ भाजपा जिला उपाध्यक्षा शैली विक्रम मुंजाल, पार्षद जितेंद्र शर्मा, समाज सेवी सुमेश बंसल और समाजसेवी संदीप सैनी ने संयुक्त रूप से ज्योति प्रज्वलित करके किया। समिति के प्रधान सुनील मुंजाल ने बताया कि इस बार भी हर वर्ष की तरह नगरवासियों ने श्री गणेश उत्सव में पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। उन्होंने कहा कि भक्तिमय संकीर्तन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उत्सव का आनंद दोगुना हो गया।

भगवान गणपति जी की मूर्ति को शोभा यात्रा निकालकर विसर्जन के लिए ले जाते श्रद्धालु।

सीवन। आयोजित भजन संध्या में नाचते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

शोभा यात्रा में जम कर नाचे श्रद्धालु

सीवन। शांति मोहल्ला सेवा समिति की ओर से चल रहे श्री गणपति उत्सव का भव्य समापन शुक्रवार रात भजन-संकीर्तन और शनिवार शोभायात्रा के साथ हुआ। सुनील मुंजाल व राहुल कक्कड़ ने बताया कि शनिवार को भगवान गणपति जी की मूर्ति के विसर्जन के लिए शोभा यात्रा शांति मोहल्ला से आरंभ होकर नगर की परिक्रमा करते हुए चंढाना नहर पहुंची, जहां भगवान गणपति जी की मूर्ति का विसर्जन किया गया। इस बार भगवान गणपति जी की मूर्ति एक वाहन पर विराजमान रखकर नगर के रास्तों से ले जायी गई। वाहन के आगे श्रद्धालु नाचते-गाते हुए भगवान गणपति जी की मूर्ति का स्वागत कर रहे थे। अनेक श्रद्धालु झूमते हुए एक-दूसरे पर गुलाल लगाकर, गीत-भजन करते हुए और जयकारे लगाते हुए शोभा यात्रा का हिस्सा बने। कुछ समय के लिए अच्छी बारिश भी आई, पर श्रद्धालुओं के उत्साह को कम न कर सकी। वे नाचते और गाते हुए चलते रहे। समिति के प्रधान सुनील मुंजाल व संरक्षक राहुल कक्कड़ ने कहा कि नगरवासियों की भागीदारी और श्रद्धा उत्सव का मूल आधार रही है।

चीनू मेहरा बनी लोकसभा अध्यक्ष

राजौंद। राजकीय कन्या वमावि रोहेड़ा में युवा संसद का आयोजन करवाया गया। खंड शिक्षा अधिकारी बलबीर कश्यप ने बताया की जिला के सभी खंडों से एक एक टीम जिला स्तरीय कार्यक्रम मे भाग लेगी। राजौंद खंड से राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक रोहेड़ा की टीम को चुना गया है। युवा संसद कार्यक्रम में प्रवक्ता भूगोल राजकुमार,जितेंद्र, रत्न कुमार राजनितिक विज्ञान ने कार्यक्रम में निर्णयक मंडल के रूप में युवा संसद की कार्यवाही में भाग लिया। इस कार्यक्रम में चीनू मेहरा ने लोकसभा अध्यक्ष के रूप में कार्यक्रम का संचालक किया। जबकि आरती जांगड़ा ने उपाध्यक्ष की भूमिका अदा की। प्रधानमंत्री का रोल आरती मेहरा ने निभाया, वही विपक्ष के नेता के रूप मे निशा व विपक्षी सदस्यों का किरदार अंकिता ज्योति व काजल ने निभाया, गृह मंत्री बनी मुस्कान जल संसाधन मंत्री की जिम्मेदारी काकी ने निभाई। बाल विकास एवं महिला मंत्री तन्नू कृषि व कल्याण मंत्री नैसी से तीखे सवाल किए गए व संसद रूपी काफी बहस हुई जिसमें भाग लेने वाली छात्राओं की अदाकारी काफी तार्किक नजर आई।

राजौंद। कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य। फोटो :हरिभूमि

कैथल। सेमीनार में उपस्थित अधिकारी व अन्य। फोटो :हरिभूमि

पशु इलाज के लिए तत्पर रहने के आदेश दिए

कैथल। गिद्ध संरक्षण जागरूकता दिवस पर पशुपालन एवं डेरिंग विभाग कैथल की तरफ से सेमिनार का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुंबई प्राकृतिक इतिहास समिति (बी एन एचएस) मुंबई की तरफ से मिस अल्का दुबे एडवोकेसी ऑफिसर एंड सीनियर बायोलॉजिस्ट मुंबई ने शिरकत की। उनके साथ वल्चर कंजर्वेशन एंड ब्रीडिंग सेंटर पिंजौर से अरिंदम आदित्य कंजर्वेशन बायोलॉजिस्ट भी उपस्थित रहे। उन्होंने गिद्ध संरक्षण के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। पशुपालन एवं डेरिंग विभाग के डिप्टी डायरेक्टर सूर्य खटकड़ के साथ जिले के सभी पशु चिकित्सा अधिकारी ने इस सेमिनार में भाग लिया गिद्ध संरक्षण के लिए एक वेटरनरी डॉक्टर की क्या भूमिका होती है इसमें सभी ने अपने-अपने विचार सांझा किये और इस अभियान के लिए जागरूकता फैलाने का संकल्प किया। डिप्टी डायरेक्टर पशुपालन एवं डेयरी विभाग कैथल ने बाद में बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में तैनात डॉक्टरों की फोन के माध्यम से जानकारी लेकर हर स्थिति में पशु इलाज के लिए तत्पर रहने के आदेश दिए तथा विभाग में विभाग में चल रही स्कीम और लक्ष्य को पूरा करने की दिशा निर्देश दिए।

जींद। प्रतियोगिता में भाग लेते हुए छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

जींद। हिंदी भाषा की महत्ता और उसकी समृद्धि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को महर्षि जमदग्नि राजकीय कन्या महाविद्यालय पिल्लूखेड़ा में हिंदी पखवाड़ा के तहत प्राचार्य डा. रणबीर सिंह की अध्यक्षता में महाविद्यालय स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हिंदी विभागाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और उन्हें अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करना है। यह प्रतियोगिता शिक्षा के क्षेत्र में मातृभाषा का महत्व, हिंदी, भाषा और कंप्यूटर, राजभाषा हिंदी, नारी शिक्षा आदि विषयों पर आयोजित की गई। इन विषयों पर छात्राओं ने अपने विचारों को सुंदर ढंग से कलमबद्ध किया। इस प्रतियोगिता में कुल 30 छात्राओं ने अपनी लेखनी का लोहा मनवाया और गहन चिंतन के साथ विषय पर लेख प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डा. संदीप कुमार सहायक प्राध्यापक संस्कृत, प्रदीप कुमार सहायक प्राध्यापक भूगोल ने निबंधों का मूल्यांकन किया।

घर के आसपास साफ-सफाई रखें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के तहत झांज कलां व बड़ौदी गांव में रामदयाल, पवन कुमार, कमलेश देवी, श्यामो देवी, सुशील शर्मा, पवन श्योकंद, जयवीर नेहरा व आशा वर्कर की टीम द्वारा रैपिड फीवर मास सर्वे किया गया। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने रैपिड फीवर मास सर्वे के दौरान बुखार पीड़ित की रक्त पट्टिका बनाई और घरों के टंकी, कूलर, होदी, ड्रम, फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे, छतों पर पड़े कबाड़ आदि में लार्वा की जांच की गई व मलेरिया से बचाव बारे पंपलेट भी बांटे गए। सर्वे के दौरान नुक्कड़ सभाएं करके आम जनता को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी गई और मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, जापानी बुखार से बचाव बारे जागरूक किया। उन्होंने कहा कि मलेरिया बुखार संक्रमित मादा एनाफलिज मच्छर के काटने से होता है जोकि पानी में अपना जीवन चक्र पूरा करता है। मलेरिया बुखार के लक्षण बताते कहा कि इसमे कंपकपी के साथ बुखार आता है और पसीना आकर बुखार उतर जाता है। इसके अलावा सिर दर्द, उल्टी व दस्त, चक्कर आना, जी मचलना व पूरे शरीर मे थकावट होती है। कमलेश देवी व श्यामो देवी ने बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि अपने आसपास पानी न खड़ा होने दें।

जींद। ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक करते स्वास्थ्यकर्मी।

नरवाना। एलआईसी रोड पर मची गंदगी। फोटो :हरिभूमि

कूड़े का ढेर बना परेशान

नरवाना। नरवाना के एलआईसी रोड पर इन दोनों कूड़े का ढेर बना दिया गया है। नरवाना के मुख्य मार्गो में से एक मार्ग है नरवाना का एलआईसी रोड, जो की हनुमान मंदिर होते हुए नगर के धौला कुआं चौक पर आता है। पिछले काफी दिनों से यहां पर कूड़े के ढेर लगाए जा रहे हैं जोकि बहुत ही शर्मनाक बात है। इस रोड पर शहर के गणमान्य व्यक्ति स्कूली छात्राएं प्रतिदिन हजारों की तादाद में निकलते हैं जो कि मुंह पर रूमाल रख कर और मुंह दूसरी साइड करके जाने पर मजबूर है। नगर परिषद को कई बार इस समस्या से अवगत कराया गया है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। आखिर क्यों नरवाना में इस तरह से रोड पर ही गंदगी के ढेर लगाए जा रहे हैं। यहां पर रह रहे दुकानदार तथा मकान मालिकों का जीवन बद से बदतर हो गया है। गंदगी में आवारा पशु मुंह मारते हुए तथा मच्छर मक्खियों के आतंक की भरमार है।

मोतीलाल स्कूल की प्राथमिक विभाग में पर्यावरण संग गणेश विसर्जन

प्रकृति को प्रदूषण से बचाओ का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय की प्राथमिक विभाग में गणेश विसर्जन का कार्यक्रम बड़े ही श्रद्धा, उल्लास और पर्यावरण के प्रति सजग दृष्टिकोण के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय प्रशासन ने इस बार पारंपरिक तरीके से हटकर पर्यावरण, संरक्षण को केंद्र में रखते हुए गणपति बप्पा का विसर्जन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था धार्मिक आस्था के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संतुलन बनाए रखना। शिक्षकों ने नन्हे-मुन्ने बच्चों को यह संदेश दिया गया कि भगवान गणेश की पूजा सिर्फ आस्था का प्रतीक नही बल्कि स्वच्छ, हरित और संतुलित जीवन जीने की प्रेरणा भी है। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में सुंदर प्रस्तुतियां दी। बच्चों ने नृत्य, भजन, श्लोक पाठ और लघु नाटक प्रस्तुत करके यह दिखाया कि किस प्रकार पूजा-पाठ के साथ हमें पर्यावरण का ध्यान रखना चाहिए। गणपति बप्पा की प्रतिमा मिट्टी की बनी हुई थी और उसमें प्राकृतिक रंगों का प्रयोग किया गया थाए ताकि विसर्जन के समय जल प्रदूषण न हो। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने गणपति बप्पा को जयकारों के साथ विदाई दी। विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया एवं प्राचार्य रविंद्र कुमार ने नन्हे मुन्ने बच्चों को अपने संबोधन में कहा कि गणपति बप्पा हमें ज्ञान, बुद्धि और विवेक का मार्ग दिखाते हैं। जब हम उनके विसर्जन को पर्यावरण के अनुकूल तरीके से करते हैं तो हम आने वाली पीढ़ियों को यह संदेश देते हैं कि धर्म और प्रकृति का गहरा संबंध है।

जींद। गणपति बप्पा का विसर्जन करते बच्चे। फोटो :हरिभूमि

नारों से वातावरण को भक्तिमय बनाया

हमारे विद्यालय ने सदैव पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का प्रयास किया है और यह कार्यक्रम उसी दिशा में एक सशक्त कदम है। नन्हे-मुन्ने बच्चों में बचपन से ही प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता जाग्रत करना जरूरी है। यही बच्चे कल समाज को सही दिशा देंगे। यदि पूजा, पाठ और धार्मिक गतिविधियां पर्यावरण संरक्षण के साथ जुड़ जाएं तो हमारा समाज और अधिक संतुलित और समृद्ध होगा। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने इस कार्यक्रम में गणपति बप्पा मोरया के नारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाई और इस प्रतिमा का संदेश था मिट्टी से बनो, मिट्टी में मिलो और प्रकृति को प्रदूषण से बचाओ। इस कार्यक्रम की देखरेख प्राथमिक विभाग की कोऑर्डिनेटर पूजा पसरीजा द्वारा की गई। उन्होंने बच्चों को पर्यावरण मित्र गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशाला कराई और विसर्जन के समय भी बच्चों को समझाया कि गणपति बप्पा की विदाई सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान नही है।

टूटा रोड बना परेशानी

नरवाना। नरवाना के प्रेम नगर से गुरथली रोड पर समस्याएं ही समस्याएं हैं। पिछले लगभग 15 से 20 दिन पहले इस रोड का टुकड़ा उखाड़ गया तथा उसकी पुन नवीनीकरण हेतु मिट्टी डालने का कार्य शुरू किया गया। किंतु बरसात शुरू होने के बाद से ना तो यहां पर पानी की निकासी का कोई उचित व्यवस्था की गई और ना ही कोई वैकल्पिक प्रबंध किया गया। रोड पर गुरथली से लेकर प्रेम नगर तक आने वाले हजारों छात्र व छात्राएं तथा नागरिक कड़ी मशक्कत के बाद गंदे पानी में से होते आते हैं।

नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोटड़ा ब्लाक राजौंद (कैथल) में विभाग द्वारा कंडम घोषित किए गए 6 कमरों की बोली 12-09-2025 को प्रातः 10:00 बजे स्कूल प्रांगण में करवाई जाएगी। इसका विभाग द्वारा न्यूनतम मूल्य 127350/- रखा गया है इच्छुक बोलीदाता 25 प्रतिशत जमा करवाते हुए बोली में भाग ले सकता है। बोली की अन्य नियम व शर्तें मौके पर बता दी जाएंगी।

प्रधानाचार्य सुंदर सिंह,
मो0 9416281326
एसएमसी इंचार्ज राजेंद्र सिंह,
मो0 9896224145

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजकीय प्राथमिक पाठशाला खेड़ी राओ वाली ब्लाक राजौंद जिला कैथल में विभाग द्वारा नाकारा घोषित किए गए एक कमरे और एक किचन की नीलामी दिनांक 11.09.2025 को सुबह 9.30 बजे स्कूल प्रांगण में करवाई जाएगी। इच्छुक व्यक्ति/ संस्थान/ निर्धारित तिथि तक अपनी बोली प्रस्तुत कर सकते हैं। बोली कि शुरुआत 34400 रुपए की कीमत से शुरू की जाएगी। इच्छुक व्यक्ति को 10 हजार रुपए जमानत राशि बोली से पहले जमा करवानी होगी, वह तभी बोली दे पाएगा। बोली की बाकी शर्तें मौके पर सुना दी जाएंगी। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें ।

स्कूल प्रबंधक समिति /मुख्य शिक्षक रा.प्रा.पा. खेड़ी राओ वाली।
ब्लॉक राजौंद जिला कैथल
मोबाइल नंबर-: 9255252211

खबर संक्षेप

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा आज जींद में

जींद। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा रविवार को जींद दौरे पर रहेंगे। राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा सुबह जैजैवंती-जींद-रोहतक रोड स्थित पेट्रोल पंप का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद भाई सुरेंद्र कुमार मैमोरियल नर्सिंग कालेज में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। यहां से राज्यसभा सांसद अलेवा खंड के गांव डाहौला पहुंचेंगे और राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे।

चोरों ने हजारों का सामान चुराया

कैथल। गांव भाना से चोर खेत से हजारों रुपए का तार व अन्य सामान चुरा कर ले गए। गांव भाना के रामनिवास ने पुंडरी पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 5 सितंबर को कर उसके खेत में बने कमरे में घुसकर वहां पर ट्यूबल की तार, इनवर्टर, बैटरी अन्य सामान चुरा कर ले गए। चुराए गए सामान की कीमत करीब 35000 रुपए बताई गई है।

साइबर ठगी के अलग अलग 10 मामले दर्ज

कैथल। जिले में साइबर ठगी के मामले कम नहीं हो रहे हैं। एक दिन पहले ही एक ही दिन में अलग-अलग थानों में ठगी के 10 केस दर्ज हुए थे। अब शनिवार को भी दो लोगों ने साइबर ठगी का केस दर्ज करवाया है। एक मामले में क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने तो दूसरे को शेयर मार्केट में पैसे लगाकर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। यह दोनों मामले हैं गुहला थाना से जुड़े हुए हैं।

इंडियन वेटरन संगठन पूर्व सैनिकों की हुई बैठक

जींद। इंडियन वेटरन संगठन पूर्व सैनिकों की मासिक सभा जाट धर्मशाला जींद में वेटरन जोनल अध्यक्ष राजबीर सिंह की अध्यक्षता में हुई। सभा का मुख्य उद्देश्य हरियाणा पूर्व सैनिक लीग के 21 सितंबर को होने वाले चुनाव पर था। जिला जींद से दो कॉलेजियम के लिए चुनाव होने हैं। कॉलेजियम जींद में जींद ब्लॉक, पिल्लूखेड़ा और सफीदों ब्लॉक हैं। जींद कॉलेजियम से वेटरन राजेंद्र सिंह रेढू चुनाव लड़ेंगे।

स्वास्थ्यकर्मियों ने बनाई आंदोलन की रणनीति

जींद। बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी एसोसिएशन की जिला स्तरीय कन्वेन्शन में शनिवार को प्रस्ताव पारित कर लम्बित मांगों के समाधान के लिए आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। आंदोलन के प्रथम चरण में सरकार के स्तर की मांगों को सितंबर माह में जिला के सभी विधायकों व सांसदों को ज्ञापन दिए जाएंगे।

अच्छी शिक्षा राष्ट्र का कर सकती है निर्माण

पूंडरी। एंग्लो संस्कृत सी. सै. स्कूल पूंडरी में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद किया गया और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्या डॉ. गीता केशवर ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को संबोधित किया।

हरियाणा सरकार प्राकृतिक आपदा में पूर्ण रूप से पंजाब के साथ

संकट की घड़ी में पड़ोसी राज्य पंजाब की मदद करना दायित्व: डॉ. मिड्ढा

डिप्टी स्पीकरने अनाज मंडी से राहत सामग्री वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

पंजाब में लगातार हो रही भारी बारिश और बाढ़ के हालात को देखते हुए हरियाणा सरकार ने पड़ोसी राज्य की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देश पर जींद जिला प्रशासन व सामाजिक संस्थाएं की ओर से बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री से भरे पांच वाहनों को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिढ़ा ने हरी झंडी दिखाकर शनिवार को रवाना किया। यह राहत सामग्री पंजाब के जिला संगरूर में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए भेजी गई है। जींद की अनाज मंडी में वाहनों को रवाना करते वक्त डिप्टी स्पीकर ने कहा कि भारी बरसात की वजह से देशभर के अनेक राज्यों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। पंजाब जैसे कुछ प्रदेशों में तो बरसाती पानी ने अपना रोद्ररूप धारण किया हुआ है। उन्होंने कहा कि हरियाणा आदिकाल से मानव सेवा एवं आतिथ्य सत्कार के लिए जाना जाता है और हर प्रकार की प्रतिकूल परिस्थितियों में देश, समाज व राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा है। संकट की घड़ी में पंजाब के लोगों की यथासंभव सहायता करना हमारा नैतिक दायित्व है और उसे हम बखूबी निभाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आपदा के इस विकराल एवं भयावह हालात से पंजाब वासियों को जल्द उभरने की शक्ति एवं राहत देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने बताया कि राहत सामग्री में सुखा दूध, दाल, चीनी, नमक, प्याज, आलू, चावल, मेडिकल फस्ट एड बॉक्स व आवश्यक सामान जैसी तमाम मूलभूत जरूरतों की चीजें शामिल हैं। डा. मिड्ढा ने सामाजिक संस्थाओं सहित स्वयं सहायता समूहों का सामग्री एकत्रित एवं पैक करने के कार्य में सहयोग करने पर आभार जताया।

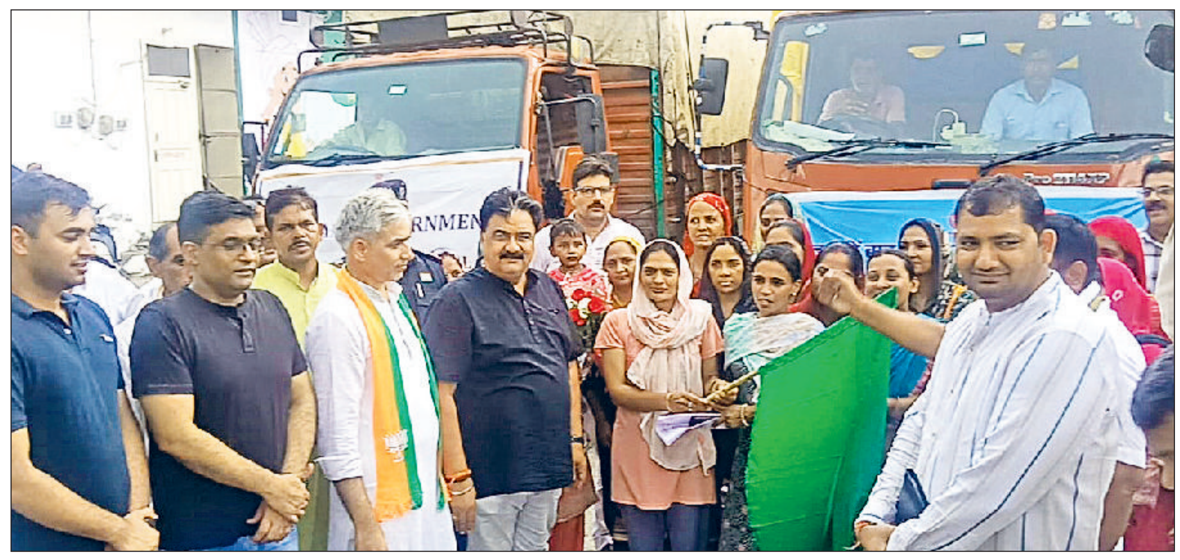

जींद। राहत सामग्री वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए डिप्टी स्पीकर।

पांच करोड़ की सहायता राशि भेजी गई

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस कठिन समय में पंजाब के साथ खड़े होने का जो फैसला लिया है वो सराहनीय है। इसके लिए मुख्यमंत्री द्वारा पहले भी पांच करोड़ रुपये की सहायता राशि पंजाब सरकार को भेजी गई है। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि नर सेवा ही वास्तव में नारायण सेवा है और इसी आदर्श पर खरा उतरते हुए जींद जिला प्रशासन, जनसाधारण, समाजसेवी संस्थाओं एवं संगठनों ने इस पुनित कार्य में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है। जो आपदा की इस घड़ी में पीड़ित लोगों के प्रति उनकी सच्ची संवेदना एवं आत्मियता का परिचायक है।

कैथल। भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी और अशोक गुर्जर राहत सामग्री की गाडी को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए फोटो: हरिभूमि

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है हरियाणा सरकार

- भाजपा संगठन व हरियाणा का आमजन : ज्योति सैनी
- पंजाब के फिरोजपुर के लिए बाढ़ राहत सामग्री के ट्रक को दिखाई हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

जिला प्रशासन के समन्वय-सहयोग से भाजपा संगठन, जिले की समाजसेवी संस्थाओं सहित आमजन के सहयोग से एकत्रित राहत सामग्री से भरे ट्रक को पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र फिरोजपुर के लिए भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक गुर्जर व जिला प्रशासन की ओर से सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी ने कहा कि पंजाब हरियाणा का बड़ा भाई है। जहां बाढ़ जैसी आपदा आई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से, भाजपा संगठन की ओर से, डीसी प्रीति की अगुवाई में जिला प्रशासन के समन्वय व सहयोग से समाज सेवी संस्थाओं व आमजन के सहयोग से पंजाब के बाढग्रसत इलाके फिरोजपुर में सहायता राशि भेजी जा रही है। प्रार्थना की जा रही है कि भगवान पंजाब के लोगों को यह आपदा सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

ट्रक रवाना

सीईओ जिला सुरेश राविश ने कहा कि यह पहला ट्रक रवाना किया गया है। जिसमें एक हजार राशन किट भेजी गई हैं। एक राशन किट में सुखा दूध, चायपती, चीनी, सरसों का तेल, बिस्किट, माचिस, चावल, आटा, नमक, हल्दी, मिर्च, चने की दाल, मूंग की दाल, मसरी की दाल, जीरा, डिटोल साबुन, मैगी पैकेट शामिल हैं। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राजपाल तंवर, भाजपा नेता रामप्रताप गुप्ता, जिला महामंत्री सुरेश संधू व मुनीष शर्मा, भाजपा नेता सुमित गर्ग, जिला मीडिया प्रभारी हिमांशू गोयल, अवदेश किशोर, जिला आईटी प्रमुख रविंद्र धीमान, सोनू खानपुर, सतपाल भारद्वाज, कर्मवीर जांगड़ा, जिला रेडक्रॉस सचिव रामजी लाल सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

जिला रेडक्रॉस सोसाइटी कैथल द्वारा ट्रैफिक पुलिस कर्मचारी और होमगार्ड के जवानों को एक दिवसीय बेसिक फर्स्ट एड का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य यातायात पुलिस कर्मियों को आपातकालीन स्थिति में तुरंत एवं सही तरीके से प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए तैयार करना था। रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव रामजीलाल ने बताया कि सड़क दुर्घटनाएं एवं अन्य आपात स्थिति कभी भी हो सकती है और ऐसे समय में सही प्राथमिक उपचार से किसी की जान बचाई जा सकती हैं। घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचने से पहले किस तरह की सुविधा दिया जाए।

कैथल। जिला प्रशिक्षण अधिकारी डॉ बीरबल दलाल पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशिक्षण देते हुए। फोटो: हरिभूमि

रक्तस्राव को रोकने के उपाय बताए

प्रशिक्षण के दौरान किसी घायल व्यक्ति को चोट लगी है, रक्तस्राव को रोकने, डूबते व्यक्ति को बचाने, सांप द्वारा काटे व्यक्ति को, कुत्ते द्वारा काटे व्यक्ति को या किसी व्यक्ति का किसी कारण से सांस रुक गया है तो उसे सीपीआर जैसी आपातकालीन तकनीक के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। रामजी लाल ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिसकर्मियों एवं होमगार्ड के लिए बहुत उपयोगी है। यह लोग अक्सर उन स्थितियों का सामना करते हैं, जहां तुरंत प्राथमिक सहायता की आवश्यकता होती है। रेडक्रॉस सोसाइटी का अंतिम लक्ष्य जनता की सेवा और सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों को किया गया सम्मानित

पूंडरी। ध्रुव पब्लिक स्कूल फतेहपुर में शिक्षक दिवस बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकों का सम्मान विशेष अंदाज में किया गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के लिए सैश तैयार किए और सुंदर उपाधियां देकर उनका उत्साहवर्धन किया। मंच पर जब-जब शिक्षक सम्मानित हुए तो उपस्थित बच्चों और स्टाफ ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया। विद्यालय के चेयरमैन मुकेश वालिया और प्रिंसिपल परवीन ढिल्लों ने सभी शिक्षकों को उपहार भेंट कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के मार्गदर्शक हैं।

अध्यापक दिवस पर काव्य सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

अध्यापक दिवस की पावन संध्या पर हिंदी साहित्य प्रेरक संस्था जींद के तत्वावधान में काव्य सम्मेलन का आयोजन किया गयाद्ध जिसकी अध्यक्षता नामचीन कवि ओमप्रकाश चौहान ने की तथा सूत्रधार की भूमिका में संस्था की प्रधान श्रीमती शकुंतला काजल शकुन रही। कवयित्री सुमनलता सुमन की सरस्वती वंदना नहीं विधान जानती न गीत, रीत का पता, हरो विकार शारदे, भुला जरा सभी खता के साथ काव्य उत्सव का शुभारंभ हुआ जो बहुत ही उत्साहवर्धक जान पड़ा। जींद के जुलाना जुड़े कवि जय देव अत्रि ने अपनी रचना में कल, आज और कल का तोड़ बैठाते हुए शिक्षक की भूमिका और सम्मान गाया शिक्षक क्यूं पूज्य नहीं रहे, क्यूं न शिष्य रहे पुजारी। घटग्या क्यूं आदर मान बताए कित बहगी दुनिया सारी।

भाई जी समझ गुरु की शान और सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया

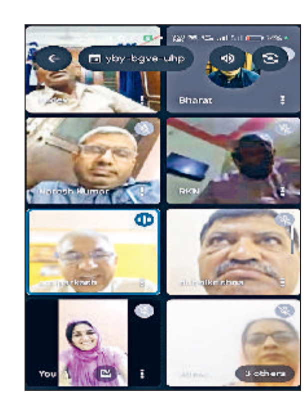

काव्य गोष्ठी में भाग लेते हुए कवि।

डा. आशा ने दी प्रस्तुति

डा. आशा ने अपनी रचना जो प्रकृति को मानेगा गुरु, उसे लय विलय का भय न होगा। ये कालचक्र है ही ऐसा, यहां आना जाना लगा ही रहेगा। हिसार के गांव पाबड़ा से हरियाणवी रागनी के सशक्त हस्ताक्षर कवि नरेश शर्मा ने गुरु की महिमा में गाया गुरु बिना गोविंद मिलै नाएना मिलै जगत म्ह मान। भाई जी समझ गुरु की शान और सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके अतिरिक्त सम्मेलन में महेन्दरगढ़ से डा. त्रिलोक चंद्र की सस्वर प्रस्तुति सभी को आनंद से भर गई।

उचाना हलके की चार सड़कों का 13.11 करोड़ से होगा विस्तारीकरण: देवेंद्र अत्री

उचाना। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री द्वारा पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्माणाधीन सड़कों का शिलान्यास किया। 38.25 किलोमीटर की चार सड़कों पर 13.11 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। विधायक ने कहा कि खटकड़ से कसूहन, घोघड़िया, कुचराना कलां, कुचराना खुर्द होते हुए छात्तर तक 15 किलोमीटर, छात्तर से बधाना तक 6.72 किलोमीटर, बधाना से थुआ वाया डाहोला 10.56 किलोमीटर, थुआ से मांडी कलां 5.97 किलोमीटर तक सड़क का विस्तारीकरण होगा। सड़क के विस्तारीकरण की मांग वाहन चालकों की काफी पुरानी थी। एक-दूसरे गांव में जाने वाले ग्रामीणों, वाहन चालकों को आवागमन में फायदा होगा। विधायक ने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के तहत सीएम नायब सिंह सैनी काम कर रहे है।

विधायक ने जलभराव का जायजा लिया

- विधायक नहीं किसान का बेटा बन कर किसानों के बीच आया हूं : देवेंद्र अत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

जलभराव की स्थिति का जायजा लेने के लिए विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री हलके के गांव दुर्जनपुर, उदयपुर, काकड़ोद, नचार खेड़ा पहुंचे। यहां पर जलभराव के बारे में किसानों से जानकारी ली। अत्री ने कहा कि विधायक नहीं बल्कि किसान के बेटे के नाते जलभराव की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे है। विधायक बाद में हूं पहले किसान का बेटा हूं। बारिश से फसलों को कितना नुकसान हुआ है, गांव में जलभराव की स्थिति क्या है इसको लेकर जानकारी ली।

उचाना। दुर्जनपुर गांव में फसल में जलभराव का जायजा लेने पहुंचे विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

घबराने की जरूरत नहीं

किसानों के बीच आना मेरा दायित्व और कर्तव्य बनता है। खेतों में जलभराव है जिससे फसलों को नुकसान हो रहा है। यह मेरे लिए बहुत पीड़ादायी है। किसानों एवं कमेरों को घबराने की जरूरत नहीं है। मैं, प्रशासन और सरकार आपके साथ हर घड़ी खड़े हैं। डीसी जींद से बातचीत हुई है। जल्द ही उचाना के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल शुरू हो जाएगा या मैन्युअल रूप से स्पेशल गिरदावरी करके नुकसान की भरपाई हागी। आधी रात को भी मैं और उचाना प्रशासन आपके साथ खड़े है।

चौटाला परिवार को सपने में भी नजर आते हैं हुड्डा : जयप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭उचाना

हिसार लोकसभा से कांग्रेस सांसद जयप्रकाश शनिवार को उचाना पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह पहुंचे। यहां पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया।

चौटाला परिवार भाजपा की बी टीम

यहां पत्रकारों से बातचीत में सांसद जयप्रकाश ने चौटाला परिवार पर निशान साधते हुए कहा कि चौटाला परिवार भाजपा की बी टीम है। इनका तो ये ही काम है कि सुबह उठकर बाहर निकल जाते है और हुड्डा के खिलाफ प्रचार करते रहते है। भूपेंद्र हुड्डा, दीपेंद्र हुड्डा इन्हें सपने भी नजर आते है। जब भी राज्यसभा, विधानसभा का चुनाव हो तो ये भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए काम करते है। इस बात को आज प्रदेश का बच्चा-बच्चा जान चुका है। प्रदेश में बाढ़ जैसे हालात पर बोलते हुए सांसद ने इसको लेकर सरकार को दोषी ठहरते हुए कहा कि प्रदेश में काफी क्षेत्र में आज बाढ़ जैसे हालात बन गए है।

उचाना। कांग्रेस सांसद जयप्रकाश कार्यकर्ताओं से मिलते हुए।

गणपति महोत्सव का हुआ समापन

- शोभायात्रा निकालकर किया गया मूर्तियों का विसर्जन

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

गणपति सेवा मंडल की तरफ से शहर के सर्राफा बाजार में पिछले दस दिनों से मनाए जा रहे गणपति महोत्सव का शनिवार को समापन हो गया। महोत्सव को लेकर नगर में शोभायात्रा निकाली गई। इसके बाद सिरसा ब्रांच नहर में गांव काकौत के नजदीक विसर्जन किया गया। इससे पहले मंडल की तरफ से हवन किया गया। इसमें शहरवासियों ने आहुति डाली। मंडल के प्रधान रिंकू सोनी, राजू वर्मा, सोनू वर्मा, राजेश वर्मा, डा. श्याम साहनी, राजकुमार वर्मा, रोहित सर्राफ, अनीश गुप्ता, राजन वर्मा, राकेश सर्राफ, भगवान दास, विक्की वर्मा, नीरज बतरा, विनोद सोनी, डिंपी वर्मा, अभिमन्यु वर्मा ने बताया कि पिछले दस दिनों से आयोजन चल रहा था। समापन समारोह पर हवन किया गया। इसके बाद नगर में शोभायात्रा निकाली गई।

कैथल। गणेश विसर्जन पर झूमते श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

भक्तों में दिखा उत्साह

दस दिनों तक पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान भजन संध्या का भी आयोजन किया गया। गणपति विसर्जन को लेकर भक्तों में उत्साह दिखाई दिया। महिलाओं से लेकर बच्चे व बुजुर्ग रंग में रंगे नजर आए। लोगों ने कहा कि दस दिनों तक यह आयोजन हर साल होता है। इसमें सभी लोग उत्साह के साथ भाग लेते हैं। शुक्रवार को भंडारे का आयोजन भी किया गया।

श्राद्ध पर विशेष आज से श्राद्ध शुरू: 15 दिन का रहेगा श्राद्ध पक्ष

हमारे हिंदू समाज में पितरों के लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म करना माना गया है महत्वपूर्ण: पं. रवि दत्त शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭पूंडरी

आचार्य पंडित रवि दत्त शास्त्री शास्त्रों में कहा गया है कि श्रद्धा पूर्वक पितरों के उद्देश्य से जो कर्म किया जाता है वह श्राद्ध कहलाता है ।इसका मूल आशय यह है कि श्राद्ध कर्म में सर्व प्रमुख श्रद्धा ही होती है। पितरों के लिए अश्विन मास के कृष्ण पक्ष में श्राद्ध अवश्य करें। यह प्राचीन काल से चली आ रही हमारी महान परंपरा है ।सर्वप्रथम श्वेत वस्त्र धारण कर अपने पितरों का मानसिक स्मरण करें और पूर्वाभिमुख होकर बैठ जाएं और अपने हाथ में संकल्प के लिए त्रिकुश तिल एवं जल लेकर संकल्प का उच्चारण करें। इसके पश्चात संकल्प के जल को भूमि पर छोड़ देना चाहिए, तत्पश्चात ब्राह्मण भोजन करवाने से पूर्व पंचबली (गोबली, श्वानबली, काक बली, देवादि बली ,पिपीलिका बली करनी चाहिए।

आचार्य पंडित रवि दत्त शास्त्री।

श्राद्ध पक्ष तिथियां

(1) 7 सितंबर 2025 - रविवार - पूर्णिमा श्राद्ध / श्री सत्यनारायण व्रत एवं चंद्र ग्रहण .
(2) 8 सितंबर 2025 - सोमवार - प्रतिपदा श्राद्ध .
(3) 9 सितंबर 2025 - मंगलवार - द्वितीय श्राद्ध .
(4) 10 सितंबर 2025 - बुधवार - तृतीय श्राद्ध एवं गणेश चतुर्थी व्रत .
(5) 11 सितंबर 2025 - गुरुवार - चतुर्थी श्राद्ध .
(6) 12 सितंबर 2025 - शुक्रवार - पंचमी श्राद्ध (10 : प्रातः) तक और 10 : 00 प्रातः के बाद षष्ठी श्राद्ध .
(7) 13 सितंबर 2025 - शनिवार - सप्तमी श्राद्ध
(8) 14 सितंबर 2025 - रविवार - श्री महालक्ष्मी व्रत प्रारंभ एवं अष्टमी श्राद्ध
(9) 15 सितंबर 2025 - सोमवार - सौभाग्यवती माता का श्राद्ध एवं नवमी का श्राद्ध
(10) 16 सितंबर 2025 - मंगलवार - दसमीं का श्राद्ध
(11) 17 सितंबर 2025 - बुधवार - एकादशी व्रत एवं श्राद्ध
(12) 18 सितंबर 2 0 25 - गुरुवार - द्वादशी श्राद्ध
(13) 19 सितंबर 2025 - शुक्रवार - प्रदोष व्रत एवं मासिक शिवरात्रि व्रत एवं त्रयोदशी श्राद्ध
(14) 20 सितंबर 2025 - शनिवार - अकाल मृत्यु श्राद्ध एवं चतुर्दशी श्राद्ध
(15) 21 सितंबर 2025 - रविवार - अमावस्या का श्राद्ध एवं सुर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा और इस का कोई सूतक पातक नहीं होगा अतः देश के सभी मंदिर खुले रहेंगे।

जब कोई अपना हो परेशान-तनावग्रस्त
कुछ देर रहने दें उसे अपने मन के साथ

हम सभी के जीवन में परेशानियां और तनाव के क्षण आते रहते हैं। ऐसे में कुछ लोग दूसरों से सलाह लेने में असहज महसूस करते हैं, वे नहीं चाहते कि उनसे कोई सवाल पूछा जाए। वे कुछ समय तक अपने मन के साथ एकांत रहना चाहते हैं। इस कंडीशन में हमें अपने अजीज की भावनाओं का सम्मान करना चहिए।

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बीते दिनों मशहूर कैनेडियन सिंगर जस्टिन बीबर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर खुलासा किया कि वह टूट चुके हैं। गुस्से की समस्या से जूझ रहे हैं। जस्टिन ने अपनी मानसिक सेहत को लेकर भी चिंता जताई। दुनिया भर में मशहूर इस सिंगर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि 'लोग मुझे ठीक होने के लिए कहते रहते हैं। क्या आपको नहीं लगता कि अगर मैं खुद को ठीक कर सकता, तो मैं पहले ही कर चुका होता? मुझे पता है कि मैं टूट चुका हूं। मुझे पता है कि मुझे गुस्से की समस्या है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी उन लोगों की तरह बनने की कोशिश की, जो मुझे कहते रहे कि मुझे उनके जैसा ठीक होना चाहिए। यही बात मुझे और ज्यादा थका देती है, ज्यादा गुस्सा दिलाती है।' अपनी एक दूसरी पोस्ट में जस्टिन यह भी कह चुके हैं कि 'मुझसे यह पूछना बंद करो कि मैं ठीक हूं या नहीं। मुझसे यह पूछना भी बंद करो कि मैं कैसा हूं? क्या कर रहा हूं? मैं जानता हूं कि हम सभी के लिए जीवन कठिन है। आइए हम अपने लोगों को प्रोत्साहित करें, न कि अपनी सुरक्षाओं को एक-दूसरे पर प्रोजेक्ट करें। हर बार आपकी चिंता देखभाल के रूप में सामने नहीं आती है। यह सिर्फ अजीब रूप से ऑप्रेसिव यानी चिंता और तकलीफ थोपने वाली भी हो सकती है।'

उचित नहीं ज्यादा सवाल-सलाह

असल में जस्टिन के विचार आम लोगों के लिए भी सार्थक सलाह लिए हैं। इस युवा और चर्चित चेहरे की बातें किसी अपने-पराए के जीवन में आई हैरान-परेशान करने वाली परिस्थितियों में हरदम कुछ पूछते रहने के बर्ताव पर लगाम लगाने की जरूरत को रेखांकित करती हैं। समझना आवश्यक है कि उलझाऊ हालातों में, क्या चल रहा है? कैसा चल रहा है? कैसे हो? खुश क्यों नहीं दिखते हो? या टेंशनफ्री होने-रहने का प्रयास करो। जैसी सलाहों और सवालों का दोहराव हमारे प्रिय की मुश्किलों को और बढ़ा देता है। पहले से ही तकलीफ के घेरे में आए मन को और पीड़ा देने लगता है। डगमगाते मन से जूझते युवा और सशंकित हो जाते हैं। अपने ही जीवन की दिशा को लेकर घेरने वाली ये शंकाएं-आशंकाएं और भटकाने वाली साबित होती हैं। साथ ही मन में आक्रोश भी उपजने लगता है, कभी खुद के प्रति तो कभी उन अपनों-परायों को लेकर, जो बिन मांगी सलाहें देते हैं। हर समय सवाल पूछते हैं। सही गाइडेंस की जरूरत बताते हुए पहले से ही उलझे-बिखरे दिलो-दिमाग को और भटकाते हैं। ऐसे दौर में किसी भी इंसान को थोड़ा समय देना सही रहता है। समस्याओं से जूझ रहा इंसान चाहता है कि कोई बेवजह सवाल ना पूछे। आते-जाते तसल्ली ना दे। बात-बात में कोई नसीहत कोई राय ना मिले। ऐसी बातें और बर्ताव मददगार बनने के बजाय मनोभावों को और उलझाते हैं।

संभलने का समय दें

मन हो या जीवन, किसी भी मोर्चे पर प्रतिकूल परिस्थितियों में पूछताछ करने वाले हमारे अपनों का इरादा हर बार गलत नहीं होता है। बावजूद इसके परेशान मन को संभलने का समय देने के

बजाय जांच-पड़ताल करते रहने का व्यवहार मन को ठेस पहुंचाता है। इसीलिए जान-पहचान वाले घर में किसी व्यक्ति की नौकरी छूट जाए। उम्मीद के मुताबिक परीक्षा का परिणाम ना आए। रिश्ते-नाते टूट जाएं या कोई हारी-बीमारी घेर ले तो ऐसे में उनकी निजता का सम्मान करना जरूरी है। आमना-सामना होने पर असहज महसूस करवाने वाले प्रश्नों के बजाय संभलने का समय देना चाहिए। बहुत से लोग दूसरों से अपना सब कुछ नहीं बताना चाहते। ऐसी परिस्थितियों में कोई गाइडलाइन देने के बजाय गंभीरता से उनकी मनःस्थिति को समझना एक अच्छा तरीका है। बेहतर महसूस करने के बाद वे स्वयं आपसे अपनी बात साझा करने की सोचेंगे। अगर नहीं तो यह उनका अधिकार है कि वे कितना और क्या दूसरों को बताना चाहते हैं? युवा पीढ़ी अपने निजी जीवन में दूसरों की ताक-झांक को ज्यादा पसंद नहीं करती। ऐसे में समझना आवश्यक है कि आपका संवाद

एकतरफा तो नहीं। आपके सवाल बहुत अधिक पर्सनल हुए तो अगले इंसान को असहज ही करेंगे। साथ ही बिन मांगी सलाह भी दूसरे के लिए भार और तनाव का कारण बन सकती है।

समझें तनावग्रस्त व्यक्ति की मनोदशा

आज के दौर में अधिकांश लोग जो कुछ भी अपनों-परायों, परिचितों-अपरिचतों से साझा करना चाहते हैं, वह वर्चुअल दुनिया में मौजूद होता ही है। ऐसे में निजी समस्याओं को खुद तक रखकर अपनी प्राइवेसी चाहने वालों को परेशान करना सही नहीं होता है। देखा जाए तो कई बार निजी संबंधों में दूरियां आने की बड़ी वजह जरूरत से अधिक ऐसी दखलंदाजी भी होती है। ठीक जस्टिन की तरह ही किसी को यह कहना कि 'मेरी तरह रहो, मेरे जैसे बनो या इस हाल में यह करो, वह करो।' किसी भी व्यक्ति, खासकर युवाओं को नहीं भाता। ऐसा व्यवहार जीवन में दूरियां और मन में शिकायतें बढ़ाता है। खासकर जब यह पता ही ना हो कि अगला इंसान किन हालातों से जूझ रहा है। कुछ बातों पर गौर करते हुए उसकी मनोदशा को समझने का प्रयास करना उचित है। आपसे जुड़ा इंसान अगर आई कॉन्टेक्ट किए बिना बात करे, आते-जाते बचकर निकलने की सोचे, पूछने पर कुछ भी स्पष्ट कहने से बचे या शब्दों को घुमा-फिराकर अपनी बात रखे तो समझ जाइए कि वह अपनी परिस्थिति और मनःस्थिति को बताने में सहज नहीं है। कुछ समय के लिए ऐसे लोगों को उनके हाल पर छोड़ देना चाहिए। उनके दिलो-दिमाग को रिकवर होने का वक्त मिलना ही चाहिए। आगे सही समय देखकर उनके साथ संवाद की राह बनानी चाहिए। *

यह सही है कि तकनीक और आधुनिक महानगरीय जीवनशैली ने बेशुमार सुख-सुविधाएं प्रदान की हैं। लेकिन इन पर आश्रित होकर हद से अधिक आलसी या निष्क्रिय बने रहना आपको शारीरिक, मानसिक रूप से बीमार बनाने के साथ ही सामाजिक रूप से एकाकी भी कर सकता है।

सही नहीं हद से अधिक निष्क्रियता

लाइफस्टाइल / चैतन्या

हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोर्टर डिलीवरी एजेंट का वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में उसने बताया कि उसे दो मिनट की दूरी पर पार्सल पहुंचाने का ऑर्डर आया। इसके लिए डिलीवरी एजेंट ने हंसी-मजाक के सहज अंदाज में ग्राहक को आलसी कहा। स्वयं पोर्टर डिलीवरी एजेंट द्वारा बनाए गए वीडियो में वह बताता है कि ऑर्डर एक ही अपार्टमेंट के टॉवर सी से उठाकर टॉवर ई में देना था। यह दूरी इतनी कम थी कि पैदल चलकर सिर्फ दो मिनट में तय की जा सकती थी। यही वजह है कि डिलीवरी एजेंट मजाकिया लहजे में कहता है कि 'ये लोग इतने आलसी हैं कि सिर्फ एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में सामान पहुंचाने के लिए भी खुद नहीं चल सकते, इसके लिए भी पोर्टर बुक कर रहे हैं।' देखा जाए तो यह वाकया हंसकर टाल देने भर का लगता है। गंभीरता से सोचा जाए तो हमारी बदलती जीवनशैली और दूसरों पर बढ़ती निर्भरता की कड़वी सच्चाई से रूबरू करवाता है। ऐसी सच्चाई जो छोटे-छोटे काम भी खुद न करने के बर्ताव को सामने रखती है। हमारे चारों ओर कसते जाते आलस के घेरे की बानगी है।

सेवाओं-सुविधाओं का विस्तार: हाल के बरसों में जिंदगी को सहज बनाने वाली सर्विसेस बढ़ी हैं। सामान भिजवाना हो या मंगवाना, इन सुविधाओं का एक बड़ा बाजार बन गया है। गौरतलब है कि आमतौर पर शहर बदलने पर लोग सामान शिफ्ट करने के लिए पोर्टर सर्विसेस का इस्तेमाल करते हैं। पोर्टर एप की मदद से किसी भी तरह के सामान को बाइक या छोटे वाहनों के जरिए एक जगह से दूसरी जगह तक आसानी से पहुंचा दिया जाता है। एक ही शहर में लंबी दूरी के लिए भी ऐसी सर्विसेस बहुत काम की होती हैं। यही वजह है कि मामूली दूरी के लिए भी किसी सामान को खुद पहुंचाने की जहमत ना उठाने के बर्ताव से जुड़ा यह वाकया अजीब लगता है। चिंताजनक यह है कि ऐसी सर्विसेस पर निर्भर होने वाले लोगों के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। सेवाओं-सुविधाओं का यह विस्तार खुद इंसानों के मूवमेंट को समेटने लगा है।

निर्भरता की अति के नुकसान: व्यस्त जीवनशैली, तकनीकी विस्तार और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की बढ़ती पहुंच के चलते ऐसी बहुत सी सुविधाओं पर डिपेंडेंसी बढ़ी है। व्यस्तता के साथ-साथ एक पहलू यह भी है कि अपने-अपने कोजी कॉर्नर में बैठे लोग अब सब्जी तक लेने घर से बाहर नहीं जाना चाहते। क्लिक भर में ऑर्डर कर फ्री हो जाने का काम सुविधाजनक लगने लगा है। अफसोस कि यह स्थिति शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य पर तो नेगेटिव असर डालती ही है, सामाजिक फ्रंट पर भी इसके कई नुकसान हैं। फूड डिलीवरी एप्स के जरिए दस मिनट में कुछ भी मंगा लेने की सुविधा लोगों में हरदम कुछ ना कुछ खाते रहने की आदत भी डाल रही है। बहुत से लोगों को ऑनलाइन शॉपिंग की लत लग रही है। अनचाहा सामान भी ऑर्डर किया जा रहा है। देखा जाए तो यह स्थिति साइकोलॉजिकल निर्भरता बढ़ने से जुड़ा पहलू भी लिए है। जिसका मेंटल हेल्थ पर भी बुरा असर पड़ता है। धीरे-धीरे आलस के कारण हर तरह की रचनात्मकता और सक्रियता भी खत्म होने लगती है। चिंता, अवसाद और तनाव जैसी प्रॉब्लम्स जड़ें जमाने लगती हैं। सब कुछ घर बैठे ऑर्डर कर देने की आदत हो जाए तो सामाजिक गतिविधियों में भी भागीदारी कम होने लगती है। इसीलिए इस तरह की डिपेंडेंसी की सीमा तय करना आवश्यक है।

किसी बहाने बने रहें सक्रिय: कोई भी सुविधा जब आदत बनकर हद से ज्यादा निर्भर बनाने लगे तो चेत जाना चाहिए। जरूरत से ज्यादा निर्भर होना केवल सुविधा का लाभ लेना भर बल्कि अपनी क्षमताएं खो देने के हालात पैदा करता है। इसीलिए सक्रिय बने रहना जरूरी है। अपने काम-काज निपटाने के लिए एक्टिव रहना शारीरिक ही नहीं मानसिक और सामाजिक रूप से सक्रिय रहने से भी जुड़ा है। आस-पास के बाजार तक जाना या आस-पड़ोस के किसी घर में कोई सामान लेने या पहुंचाने जाना इंसानी जीवन का सहज हिस्सा रहा है। इन एक्टिविटीज से सामाजिक संबंध बनते हैं। एक्टिव रहने के बहाने तलाशिए। हर काम के लिए उपलब्ध सुविधाओं के इस दौर में खुद को निष्क्रियता से बचाने के लिए खास कोशिशें करने की दरकार है। *

इमोशंस / अंतरा पटेल

आमतौर पर आंसू बहाने को कमजोरी की निशानी और न रोने वाले को कठोर हृदयी मान लिया जाता है। लेकिन वास्तव में आंसू केवल मन की अभिव्यक्ति होते हैं, जो कई बार हमारे मन का उपचार भी करते हैं।

आंसुओं से बयां होती है मन की सच्ची हकीकत

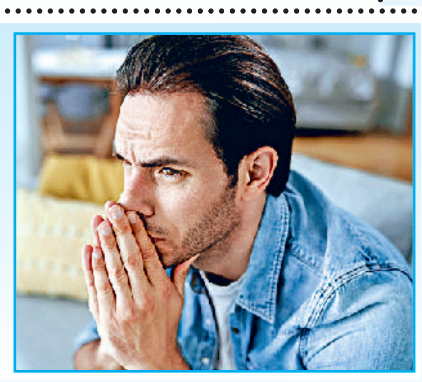

कई लोग ऐसे होते हैं, जिन्हें आसानी से रोना नहीं आता है। उनके किसी रिलेटिव या करीबी की डेथ हो जाए तब भी नहीं रोते। जब उनका कहीं अपमान हो जाए या उन्हें गहरा सदमा लगे या कोई गंभीर नुकसान हो जाए वे तब भी नहीं रोते। जिन अवसरों जैसे-अंतिम संस्कार, विदाई या भावनात्मक फिल्म देखते हुए, जब अधिकतर लोग रोते हैं, उन पर भी उनके आंसू नहीं छलकते। हालांकि उनकी आंखों में आंसू होते हैं, लेकिन वो आंखों से छलकते नहीं। तो क्या इससे यह साबित होता है वे भावनाशून्य इंसान होते हैं? शायद ऐसे ही कठोर या कहें मजबूत मन वाले लोगों के लिए सुदर्शन फाकिर ने यह शेर कहा है, 'आप कहते थे कि रोने से न बदलेंगे नसीब/उम्र भर आपकी इस बात ने रोने न दिया।' इनसे उलट कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो अपनी भावनाओं को, आंसुओं को छिपाते नहीं हैं। जैसे एक बार टेनिस स्टार अमांडा अनिसिमोवा विंबलडन फाइनल में हारने के बाद सबके सामने फूट-फूट कर रो पड़ी थीं। सैंकड़ों लोगों और कैमरों के जरिए पूरी दुनिया के सामने भी उन्होंने अपने आंसुओं को रोकने का प्रयास नहीं किया और न ही चेहरे पर दिखावटी मुस्कान लाने की कोई कोशिश की थी। कुछ लोगों को उनका ऐसे रोना, अजीब या कहें अनुचित लगा। लेकिन वास्तव में देखा जाए तो अमांडा के रोने में सच्चाई थी और बहादुरी भी। वास्तव में सबके सामने रोने वालों और न रोने वालों को लेकर समाज में अलग-अलग तरह की राय रखी जाती है।

मानते हैं कमजोरी का लक्षण: आमतौर पर रोने को, कमजोरी या अत्यधिक भावुकता या नियंत्रण के खोने से जोड़ते हैं। विशेषकर पुरुषों के संदर्भ में कहा जाता है कि 'मर्द रोते नहीं हैं।' बचपन में जब कोई लड़का रोता है तो उससे कहा जाता है, 'लड़कियों की तरह रोना बंद करो।' रोने को लड़कियों का एक्सक्लूसिव गुण मान लिया गया है। ऐसे जुमले केवल लड़कों या पुरुषों को नीचा दिखाने के लिए ही नहीं बल्कि लड़कियों या स्त्रियों का भी अपमान हैं। घर और स्कूल में बच्चों की इस सोच के साथ परवरिश की जाती है कि संयम (या बर्दाश्त) का अर्थ ताकत है और आंसू बहाना, कमजोरी या अस्थिरता की निशानी है।

गम-खुशी में छलकते हैं आंसू: वास्तव में रोना हमारी सोच और धारणा से कहीं अधिक जटिल है। यकीनन दुःख (जो किसी के निधन पर होता है) रोने का सबसे आम कारण है। लेकिन लोग कुंठा, पीड़ा, असफलता या भयंकर अपमान के कारण भी रोते हैं। इसी के साथ खुशी के आंसुओं को कैसे अनदेखा किया जा सकता है? शतरंज का विश्व कप (महिला) जीतने के बाद दिव्या देशमुख खुशी से रो पड़ी थीं। हालांकि वह जब पिछली प्रतियोगिता में हार गई थीं, तब नहीं रोई थीं, लेकिन विजयी होने पर रोईं। अकसर राहत, बड़ी सफलता, अत्यधिक खुशी भी दुःख जितना ही हमें भाव-विभोर कर देती है। बड़े-बड़े नेता, कलाकार, खिलाड़ी सार्वजनिक मंच पर रो पड़ते हैं। असम के बाढ़ पीड़ितों का हाल सुनाते हुए हेम बरुआ संसद में रोए थे। अपनी फेयरवेल स्पीच देते हुए क्रिकेटर राहुल द्रविड़ रोए थे। आंसुओं ने इन लोगों को छोटा नहीं कर दिया। आंसुओं ने उन्हें अधिक संवेदनशील मनुष्य और भावनाओं से जुड़ा हुआ साबित किया।

मन का उपचार करे आंसू: रोना दवा की तरह भी काम करता है। बड़े-बुजुर्ग कहते हैं कि रोने से गम हल्का हो जाता है। चिकित्सा विज्ञान भी यही कहता है, भावनात्मक आंसुओं में स्ट्रेस हॉर्मोन होते हैं। रोने से तनाव कम हो जाता है, नर्वस सिस्टम को आराम मिलता है और राहत का अहसास होता है। इसलिए लोग कहते हैं, 'रोने के बाद हल्का महसूस हो रहा है।' जापान में तो रोने के लिए क्लब भी बने हैं, जहां लोग साथ रोने के लिए एकत्र होते हैं। इस प्रथा को 'रुई-कत्सु' (आंसुओं की तलाश) कहते हैं।

कहने का सार है कि हमें आंसुओं को कमजोरी की निशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए कि व्यक्ति ने अपने ऊपर का नियंत्रण खो दिया है। बल्कि यह समझना चाहिए कि आंसू व्यक्ति की सच्ची अभिव्यक्ति है। आज जब हम सब दिखावे के युग में जी रहे हैं, बनावटी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर। ऐसे संसार में सच्चे आंसू ही इंसान की सच्ची अभिव्यक्ति है, जो साबित करते हैं कि हम इंसान हैं। *

गीत / कृष्णा बिहारी

क्या लिखोगे

देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
सादगी से पूर्ण रचना एक भी तो जन नहीं पाए,
सच कहूं तो आदमी भी इसलिए तुम बन नहीं पाए।
खोजकर अमृत पियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर दिखोगे, क्या लिखोगे?
जो अहर्निश एक घातक विष पिएगा वह रचेगा,
छटपटाई मौत मरकर जो जिएगा वह बचेगा।
तुम शहीदाना जियोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?
कोरे कागजों पर तुमने बस चिड़िया उड़ाई है,
अबतलक समझे नहीं यह भी कि झूठी कमाई है।
रद्दियों जैसे बिकोगे, क्या लिखोगे?
देवता बनकर लिखोगे, क्या लिखोगे?

व्यंग्य
केदार शर्मा

धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है।

रील की झील में डूबते लोग

वैश्विक स्तर पर भारत डेटा उपयोग में दुनिया का नंबर एक देश बना हुआ है, यह समाचार अखबार में पढ़कर गर्व से मस्तक ऊंचा हो गया। दरअसल डेटा, स्क्रीन पर चलने वाली समस्त गतिविधियों का ईंधन है। अगर डेटा न हो तो स्क्रीन की हालत धोबी के कुत्ते जैसी हो जाए, जो न घर का रहता, न घाट का। इस समय डेटा का थोक में उपयोग सबसे लोकप्रिय गतिविधि रील बनाने और देखने में भरपूर हो रहा है। धीरे-धीरे ऐसे लोगों की संख्या में इजाफा होता जा रहा है, जिनके लिए रील अगर शमा है, तो वे उसके परवाने हैं। रील ही इनका धर्म, कर्म और मर्म है, जान है, मान है और सम्मान है। जिनका श्रम, समय और डेटा, सब कुछ रीलों पर कुर्बान है। सुबह बिस्तर से उठने से लेकर रात को सोने तक ये रील-रानी के संग ही उठते-बैठते हैं।

कई बार तो हैरतअंगेज रीलें देखकर दांतों तले अंगुली दब जाती है। प्री-वेडिंग शूटिंग में वर-वधु के बकरा-बकरी की आवाज निकाल कर उनके पोज में एक-दूसरे को प्रपोज करते हुए, क्लास रूम में डांस करती शिक्षिका की, गधे पर उल्टा बैठकर दौड़ाने वाली टाइप, एक से बढ़कर एक अनगिनत रीलें इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और फेसबुक के आकाश में बेरोक-टोक पतंगों की तरह मंडरा रही हैं। अभिव्यक्ति की बेलगाम, बेकाबू असीम और स्वच्छंद आजादी के एक साथ यहां दर्शन होते हैं। इनमें से ही कुछ लोग रील देखते-देखते रील बनाने में उस्ताद बन गए हैं। वे ही इनके प्रोड्यूसर हैं और वे ही कैमरामैन। खेत हो या खलिहान, छत की मुंडेर हो या रेल की ट्रैक, समंदर हो या बवंडर, जो जगह दिल को भाए, वही स्टूडियो बन जाता है। अभिनय के लिए पत्नी-बच्चे ही पर्याप्त हैं। दो से पांच मिनट की रील के लिए क्या स्क्रिप्ट, क्या पटकथा? जरूरत है तो बस चटपटे, हैरतअंगेज और कभी-कभी मूर्खतापूर्ण करतबों की, गालियों की, कंचन-काया की माया के दर्शन कराने और कमर लचकाने की। रीलों ने हर हाथ और हर आंख को काम थमा रखा है। अगर कोई रील खूब वायरल हो गई, तो कमाई भी बल्ले-बल्ले होती है। रीलों की इस दुनिया के आगे 'रीयल' दुनिया फीकी, नीरस और बेमजा लगने लगी है। संस्कारों की दुनिया में भले ही मंदी हो, पर रीलों के सितारों पर बुलंदी है। संस्कारों की थाली भले ही खाली हो, पर रीलों की थाली नित नए मसालेदार 'व्यंजनों' से मालामाल है।

यह कहना बहुत मुश्किल है कि रील को हम बना रहे हैं या रील हमें बना रही है। रील को हम चला रहे हैं या रील हमें चला रही है। एक बार बिना सेंसर की इस गाड़ी में बैठने के बाद ढलान पर लुढ़काती हुई यह हमें कहां ले जाकर छोड़ेगी, भगवान ही मालिक है। कहीं हम रील युग में तो प्रवेश नहीं कर रहे हैं? कुछ भी हो बिना विवेक का इस्तेमाल किए इसमें सफर करने की लत लग गई तो गत का बिगड़ना सुनिश्चित है। रील की इस झील में जो एक बार डूबता है तो बस डूबता ही चला जाता है। रील देखने और बनाने की दीवानगी इस कदर हर उम्र और वर्ग के लोगों पर हावी है कि जैसे उन्हें अपने आस-पास किसी की सुध-बुध ही नहीं रहती, जैसे उनका पूरा अस्तित्व स्मार्टफोन के तल पर टिका गया है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्बंध-उदात्त प्रेम कविताएं

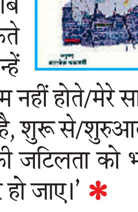

तसलीमा नसरीन जो भी लिखती हैं, वो निर्बंध, भयमुक्त और विचारों का नया आयाम खोलने वाला होता है। हाल में छपकर आई उनकी प्रेम कविताओं के अनुवाद की किताब 'यदि प्यार करो' में भी उनकी लेखनी का वही तेवर देख सकते हैं। वे प्रेम को मन की गहनतम अनुभूति मानती हैं, और इन्हें अभिव्यक्त करने से परहेज नहीं करती हैं। 'जब मेरे साथ तुम नहीं होते/मेरे साथ तब तुम सबसे ज्यादा रहते हो।' और 'तुम्हें देखने पर/मन करता है, शुरू से/शुरुआत करूं जीवन की।' जैसी भावप्रवण पंक्तियों के साथ ही वे इसकी जटिलता को भी बयां करती हैं 'कौन कहता है बहुत आसान है प्रेम/कि चाहो और हो जाए।' *

पुस्तक: यदि प्यार करो, **लेखिका:** तसलीमा नसरीन, **अनुवाद:** कल्लोल चक्रवर्ती, **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

अगर आप घूमने-फिरने के शौकीन हैं, साथ ही रोमांचक और साहसिक गतिविधियों में भी आपकी रुचि है, तो वाइल्डरनेस टूर यानी रोमांचक-साहसी पर्यटन, आपके लिए परफेक्ट ट्रैवल-चॉइस हो सकती है। हाल के वर्षों में इसका ट्रेंड काफी बढ़ रहा है। इस ट्रेंड और इसके फायदों पर एक नजर।

एंज्वॉयमेंट-थेरेपी का कॉम्बो
एडवेंचर ट्रैवलिंग का बढ़ता क्रेज

ट्रैवल ट्रेंड / अंशु सिंह

पर्यटकों की बदलती पसंद को देखते हुए ट्रैवल इंडस्ट्री में नित नए बदलाव होते रहते हैं। अब लोग सिर्फ घूमने-फिरने के लिए यात्रा नहीं कर रहे, बल्कि उन यात्राओं पर जाना पसंद कर रहे हैं जिसमें रोमांच के साथ थोड़ी मुश्किलों का भी सामना करना पड़ता है। यही वजह है कि इन दिनों ट्रैवल थेरेपी के तौर पर वाइल्डरनेस टूर को लोग प्राथमिकता दे रहे हैं। ट्रैवल कंपनियां भी ऐसे ट्रैवलर्स की जरूरतों का ध्यान रखते हुए साहसिक टूर पैकेज डिजाइन कर रही हैं।

ट्रैवलिंग का नया तरीका: जरूरी नहीं कि हर किसी को पहाड़ों पर चढ़ना, बर्फ पर स्केटिंग करना या मानसून के दौरान घने जंगलों में ट्रैकिंग करना पसंद हो। लेकिन इन दिनों ऐसी साहसिक यात्राओं को लेकर लोगों की खास दिलचस्पी देखी जा रही है। टूर एंड ट्रैवल से जुड़ी कई कंपनियां भी इस तरह के वाइल्डरनेस टूर (साहसिक यात्रा) पैकेज उपलब्ध करा रही हैं। वाइल्डरनेस टूर के दौरान टूरिस्ट को कुछ दिन या हफ्ते भर के लिए उजाड़ और बंजर इलाके में अकेले छोड़ दिया जाता है। वहां से वे खुद ही रास्ता ढूंढते हैं और बाहर निकलते हैं। टूरिस्ट वाइल्डरनेस टूर के लिए अपनी पसंद से देश या स्थान का चयन करते हैं, जैसे-कोई जंगल, रेगिस्तान, पहाड़ या ध्रुवीय इलाका आदि। पूरी दुनिया में इन दिनों ऐसी यात्राएं हो रही हैं। इनमें मंगोलिया, पेरू और आर्कटिक महासागर में नॉर्वे का द्वीप समूह स्वालबार्ड जैसे एडवेंचरस डेस्टिनेशन शामिल हैं।

कई डेस्टिनेशंस हैं मौजूद: हालांकि प्रतिकूल मौसम और दुर्गम स्थान संबंधी कारणों से आम पर्यटक इनसे बचते हैं। फिर भी एडवेंचर के शौकीन लोग इस तरह की साहसिक यात्राओं का लुत्फ जरूर उठाते हैं। अपने देश में वाइल्डरनेस टूर के इच्छुक पर्यटकों के लिए अनेक ट्रैवल डेस्टिनेशंस मौजूद हैं। वे हिमालय की तलहटी में बसे दार्जिलिंग की पहाड़ियों में ट्रैकिंग ट्रिप और रॉक क्लाइंबिंग कर सकते हैं। हिमाचल की पहाड़ियों में माउंटेनियरिंग पर जा सकते हैं या फिर राजस्थान के दूर तक फैले रेगिस्तान में ऊंट की सवारी की यात्रा को रोमांचकारी बना सकते हैं। इसके अलावा, वन्यजीव यानी वाइल्डलाइफ को देखना भी भारतीय साहसिक पर्यटन का प्रमुख हिस्सा है। देश के राष्ट्रीय उद्यानों में सफारी और जीप टूर की सुविधा भी प्रदान की जाती है। वाइल्डरनेस टूर एंड ट्रैवल पैकेज में स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, कैंपिंग और स्कूबा डाइविंग जैसी गतिविधियां भी शामिल होती हैं।

डेस्टिनेशन के हिसाब से आएगा खर्च: अगर आप भी वाइल्डरनेस टूर का हिस्सा बनना चाहते हैं, तो लग्जरी ट्रैवल कंपनियों की सेवाओं का फायदा उठा सकते हैं। ये

कंपनियां ग्राहकों की पसंद के अनुसार, वाइल्डरनेस टूर पैकेज डिजाइन करती हैं। जैसा डेस्टिनेशन होगा, उसी अनुसार यात्रा का खर्च आएगा। विदेश की यात्रा करने पर ये खर्च लाखों में हो सकता है। जैसे, एक मशहूर ट्रैवल कंपनी ने 'गेट लॉस्ट' नाम से एक पैकेज डिजाइन किया है। इसके तहत यात्री खुद को खोजने में खो जाते हैं। दरअसल, उन्हें किसी अनजान इलाके में छोड़ दिया जाता है, जहां से उन्हें खुद ही बाहर निकलना होता है। कुछ वैसे ही जैसे 'मैन वर्सेज वाइल्ड' टीवी शो में बेयर ग्रिल्स किया करते हैं। हां, वाइल्डरनेस टूर के दौरान कंपनियां जीपीएस और सैटेलाइट ट्रैकर से अपने यात्रियों पर नजर रखती हैं, ताकि किसी परेशानी में उनकी मदद कर सकें। *

वाइल्डरनेस टूर के फायदे

वाइल्डरनेस ट्रैवलिंग को आज एक हीलिंग थेरेपी की तरह देखा जा रहा है। इसमें यात्री जब अकेले कठिन रास्तों से गुजरते हुए अपनी मंजिल तक पहुंचते हैं, तो उनका आत्मविश्वास कई गुणा बढ़ जाता है। इससे वे जिंदगी में आने वाली चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना करना सीख लेते हैं। इसमें न केवल रोमांच होता है, बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। तनाव कम होने से नई ऊर्जा का अनुभव करते हैं। प्रकृति के साथ रहने से उससे रिश्ता गहरा होता है। इसमें दुनिया घूमने का मौका मिलता है। नई जगहों और संस्कृतियों को जानने से क्रिएटिविटी भी बढ़ती है।

मुश्किल नहीं है कुछ भी अगर ठान लीजिए

दृढ़ इच्छा शक्ति, मेहनत और लगन के बल पर जीवन में कुछ भी हासिल किया जा सकता है। जीवन में सफलता पाने के कुछ गोल्डन रूल्स हैं, जिन्हें फॉलो करके मुश्किल से मुश्किल लक्ष्य को साधा जा सकता है।

सेल्फ मोटिवेशन / शिखर चंद जैन

महान संत स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को हमेशा निडर, कर्मठ और सकारात्मक सोच रखने की प्रेरणा दी। स्वामी जी कहा करते थे, 'जो भी करो पूरी लगन और एकाग्रता से करो। खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।' युवाओं को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए दुनिया भर के विद्वानों और मोटिवेशनल स्पीकर्स ने समय-समय पर बड़ी कारगर, महत्वपूर्ण और उपयोगी बातें कही हैं। इनके बारे में आप भी जानिए।

जरूरी है सेल्फ कॉन्फिडेंस: अगर आप जीवन में सफल होना चाहते हैं तो खुद को दायरे में बांधना बंद करें और पूर्वाग्रह से मुक्त रहने की कोशिश करें। ऐसा कभी ना सोचें कि जो कभी आपके किसी मित्र या परिवार के किसी सदस्य ने नहीं किया वह आप भी नहीं कर सकेंगे। आपको अपनी क्षमताओं और कमियों को पहचानना होगा और खुद को इस योग्य बनाना होगा कि आप जो चाहे कर सकें।

न समझें खुद को कमजोर: डर हमें जीवन में कुछ नया नहीं करने देता। नई स्किल सीखने, चुनौतियां स्वीकार करने, नया प्रोफेशन या बिजनेस करने में असफल होने का जोखिम होता है। लेकिन इस जोखिम या असफलता के डर से कोशिश नहीं करना बिल्कुल भी सही नहीं है। जो खुद को कमजोर समझते हैं या डरते रहते हैं, वे जीवन में कुछ भी नया या बड़ा हासिल नहीं कर पाते हैं। पुस्तक 'करेज एंड कॉन्फिडेंस एन एंथोलोजी' के लेखक नॉर्मन विंसेंट पील ने अपनी पुस्तक में लिखा है, 'डर लोगों को शारीरिक रूप से कमजोर बना देता है। किसी न किसी रूप में डर लोगों को वह हासिल करने से रोक देता है, जो वे जीवन में वाकई हासिल करना चाहते हैं।'

एकाग्र होकर काम करें: एक समय में एक काम करें और ऐसा करते समय अपनी पूरी ऊर्जा और ताकत उसमें डाल दें और बाकी सब कुछ भूल जाएं। आज के डिजिटल युग में विभिन्न माध्यमों से सूचनाओं और जानकारियों की बौछार ने हमारे मस्तिष्क की एकाग्रता को छीन लिया है। चाहे पढ़ाई-लिखाई करनी हो या वर्क प्लेस पर अपना हिसाब-किताब लिखना हो, अपने ग्राहक से डील करनी हो या फिर कोई प्रोडक्ट बनाना हो। आप कोई भी काम तभी ठीक से कर सकते हैं, जब आप उसे पूरी तरह एकाग्रचित्त होकर करें। पुस्तक 'हाइपर फोकस' के लेखक क्रिस बेली लिखते हैं, 'अगर आपको अपने चंचल चित्त को स्थिर करना है तो सबसे पहले फालतू चीजों पर अनफोकस करें।' वे कहते हैं कि आज हम बिना ध्यान बंटाए कंप्यूटर पर सिर्फ 40 सेकेंड ही लगातार काम कर पाते हैं। इस समय को बढ़ाकर ही हम अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकेंगे। उन्होंने लिखा है, 'हाइपर फोकसिंग से ही हम अपना सबसे बेहतरीन संस्करण बन सकते हैं।'

समस्याओं को धैर्यपूर्वक हल करें: किसी समस्या के सामने आते ही अगर आप घबरा जाते हैं या हड़बड़ा जाते हैं तो जल्दबाजी में न सही उपाय सोच पाते हैं, न ही उसका हल निकाल पाते हैं। यहां तक कि आप अपने सच्चे और विश्वसनीय मददगार का नाम भी याद नहीं कर पाते। इस स्थिति में समस्या के एक ही हिस्से पर आपका नियंत्रण होता है और वह है आपकी प्रतिक्रिया। समस्याएं हमारे भीतर के सर्वश्रेष्ठ गुणों को बाहर निकालती हैं, क्योंकि मुसीबत में ही हम अपनी क्षमताओं के बारे में ठीक से सोच पाते हैं। पुस्तक 'थिंकिंग फास्ट एंड स्लो' के लेखक डैनियल कानमैन कहते हैं, 'जब आप चिंतित होने की बजाय किसी समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करने की कोशिश करेंगे तो ज्यादा प्रभावशाली बनेंगे। परिणामस्वरुप आप खुद को पहले से ज्यादा बड़ी समस्याएं हल करने के लायक बना लेंगे।'

अनुशासन का पालन करें: स्वतंत्रता और मनचाहा करने की छूट लेना हमारे स्वभाव में होता है। लेकिन यह विवेकपूर्ण, संयमित और अनुशासन युक्त होनी चाहिए। यह आप पर निर्भर करता है कि आप सीमा में रहकर अपनी क्षमता से जीवन को उत्कृष्ट बनाएं या उसकी उपेक्षा करके अपने लिए दुख आमंत्रित करें। स्वच्छंदता वास्तव में स्वतंत्रता नहीं है। इसका परिणाम अन्ततः विनाश ही है। इस संदर्भ में बेस्ट सेलर पुस्तक 'द नाउ हैबिट' के लेखक नील फियोरे ने कहा है, 'दिमाग वही करना चाहता है जो उसे पसंद है। लेकिन जो व्यक्ति जीवन में अपने दिमाग की पसंद और सुविधा से चलता है वह कभी कुछ हासिल नहीं कर पाता।' इसलिए जरूरी कामों को टालने की बजाय प्राथमिकता से करना जरूरी है। *

बैंकिंग फ्रॉड से संबंधित घटनाएं आए दिन देखने-सुनने को मिलती रहती हैं। ऐसे में जरूरी है कि बैंक से संबंधित तमाम गतिविधियों के दौरान विशेष सावधानी बरती जाए। इसके लिए बैंक, एटीएम, यूपीआई और नेट बैंकिंग से संबंधित नियम जानना जरूरी है।

जरूर जानें एटीएम-यूपीआई नेट बैंकिंग से जुड़े रूल्स

अवेयरनेस
प्रभाकांत कश्यप

इन दिनों बढ़ती आर्थिक धोखाधड़ी और बैंकिंग फ्रॉड के मद्देनजर प्रत्येक उपभोक्ता को एटीएम, यूपीआई, नेट बैंकिंग और बैंकिंग से संबंधित अन्य नियम जानने जरूरी हैं। ये नियम भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों की ग्राहक सुरक्षा नीति के तहत आते हैं। इन बैंकिंग नियमों की जानकारी के अभाव में आप इकोनॉमिक फ्रॉड के शिकार बन सकते हैं।

जानें आरबीआई के नियम: इस नियम के तहत किसी भी सरकारी या शेड्यूल्ड प्राइवेट बैंक में अगर आपके किसी खाते से कोई धोखाधड़ी हो जाती है तो आपका नुकसान पूरी तरह से बच सकता है बशर्ते इस धोखाधड़ी के तीन दिन के भीतर आप अपने बैंक को इस धोखाधड़ी की लिखित सूचना दे दें। अगर आप बैंक को अपने साथ हुई धोखाधड़ी की सूचना तीन दिन के भीतर न देकर चार से सात दिनों के भीतर देते हैं तो आपके सेविंग अकाउंट में 5000 से 25 हजार तक का नुकसान हो सकता है। यदि आप सात दिन के बाद बैंक को धोखाधड़ी की सूचना देते हैं, तब तो आपका पूरा नुकसान, आपके ही खाते में जाएगा यानी बैंक आपके नुकसान की कोई भरपाई नहीं करेगा। इसलिए जब भी आपके साथ कोई बैंकिंग धोखाधड़ी हो जाए तो तुरंत बैंक के टोल फ्री नंबर पर कॉल करके बैंक को इसकी सूचना दें और अगले चरण के रूप में अपने नजदीकी बैंक शाखा में जाकर यही शिकायत लिखित में दर्ज करें। इसके साथ ही www.cyber-crime.gov.in या हेल्पलाइन नंबर 1930 पर इस धोखाधड़ी की रिपोर्ट करा दें। शिकायत दर्ज कराने की तारीख, समय और संबंधित विवरण, जैसे एसएमएस, ईमेल या शिकायत भेजने संबंधी रसीद आदि सबूत के तौर पर अपने पास अवश्य रखें।

यूपीआई यूज करते समय रहें सावधान: यूपीआई पिन कभी भी किसी के साथ शेयर न करें। अगर कभी बैंक कर्मचारी भी इसकी मांग करता है, तो आपको उसे यह नहीं देना चाहिए, क्योंकि आरबीआई के नियम के तहत कोई बैंक का कर्मचारी अपने बैंक के ग्राहकों से यूपीआई पिन नहीं मांग सकता। अगर आपको रिक्वेस्ट मनी या कलेक्ट रिक्वेस्ट जैसी कोई सूचना मिलती है तो उसे ध्यान से चेक करें, गलती से अप्रूव करने पर आपके एकाउंट से पैसा कट सकता है और बैंक इसके लिए जिम्मेदार नहीं होगा। पर हां, अगर आपने कोई यूपीआई ट्रांजेक्शन किया है और ट्रांजेक्शन फेल हो गया है, लेकिन आपका पैसा कट चुका है तो तुरंत शिकायत करें। सामान्यतया तीन दिनों में अपने आप ही कटा हुआ पैसा वापस आ जाएगा।

एटीएम का इस्तेमाल: यदि एटीएम से पैसा निकालते समय पैसा न निकले और बैलेंस कट जाए तो तुरंत संबंधित बैंक से इसकी शिकायत करें। पांच कामकाजी दिनों के भीतर आपका पैसा वापस आ जाएगा। जहां तक एटीएम ट्रांजेक्शन लिमिट का सवाल है तो मेट्रो शहरों में हर बैंक ग्राहक को तीन ट्रांजेक्शन प्रतिमाह मुफ्त है। अगर आप किसी गैर मेट्रो शहर में रहते हैं तो आपको पांच बार किए गए ट्रांजेक्शन के लिए भी कोई फीस नहीं देनी पड़ती। लेकिन इससे ज्यादा बार की ट्रांजेक्शन पर बैंक की तय फीस देनी पड़ती है। अगर आपने एटीएम में ट्रांजेक्शन के दौरान तीन बार गलत पिन डाल दिया है तो 24 घंटे तक के लिए आपका खाता ब्लॉक हो जाएगा। 24 घंटे के बाद आप पुनः सही पिन डालकर एटीएम से ट्रांजेक्शन कर सकते हैं।

नेट बैंकिंग से संबंधित नियम: नेट बैंकिंग के लिए टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन अनिवार्य हैं जैसे ओटीपी और पासवर्ड। अगर लंबे समय तक आपका नेट बैंकिंग अकाउंट एक्टिव नहीं रहता है तो आपके अकाउंट से ऑटो लॉग आउट हो जाएगा। हर तीन से छह महीने के भीतर आपको अपने नेट बैंकिंग अकाउंट का पासवर्ड चेंज कर लेना चाहिए। कभी भी ईजीली गेस या ब्रेक किए जा सकने वाले पासवर्ड न बनाएं।

बैंकों की जिम्मेदारी: धोखाधड़ी से संबंधित किसी भी रिपोर्ट को बैंक को दस कार्य दिवस में हल करना होता है यानी आप जो शिकायत करते हैं, उसकी जांच उन्हें दस दिन के भीतर करनी होती है। अगर बैंक दस दिनों तक आपकी रिपोर्ट पर जांच पूरी नहीं करती, तो कानून के हिसाब से वह आपके एकाउंट से हुई धोखाधड़ी की रकम पर ब्याज भी देगी। साथ ही बैंक आपके पैसे की सुरक्षा के लिए ओटीपी, एसएमएस अलर्ट, लिमिट सेटिंग, कार्ड ऑन/ऑफ फीचर देने के लिए भी बाध्य है। हर बैंक अपने ग्राहक को साइबर क्राइम की रिपोर्ट कराने के लिए 1930 नंबर पर तत्काल कॉल करने की सुविधा देती है ताकि धोखाधड़ी को तुरंत रोका जाए। इसके अलावा www.cybercrime.gov.in इस आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल पर आप ऑनलाइन रिपोर्ट कर सकते हैं। बैंक आपके दावे को सही माने, इसलिए एफआईआर या ऑनलाइन शिकायत का रसीद, कंफर्मेशन नंबर अपने पास रखना जरूरी है। *

धर्म-कर्म
भूपेंद्र शर्मा

आज से पितृ पक्ष आरंभ हो रहे हैं। पुराणों में इस दौरान अपने पूर्वजों को श्राद्ध एवं तर्पण के द्वारा तृप्त करने का विधान दिया गया है। इससे न केवल जीवन में शांति-समृद्धि आती है, पुरखों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

पुरखों से पाएं सुख-शांति समृद्धि का आशीर्वाद

पितृ-पक्ष में हम पूर्वजों को याद करते हैं और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। इन दिनों में हमें अपने मन को शांत एवं पवित्र रखकर पितरों के लिए बताए गए अनुष्ठान करने चाहिए। यदि हम ऐसा करते हैं तो पितृ प्रसन्न होकर हमें सुख, शांति एवं समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

पवित्र अवसर है पितृ-पक्ष: पितृ-पक्ष पूर्वजों के प्रति श्रद्धा एवं सम्मान प्रकट करने का एक विशेष, पवित्र अवसर है। पितृपक्ष काल में परिजन न केवल अपने पूर्वजों को याद करते हैं, बल्कि उनकी आत्मा की शांति एवं मुक्ति के लिए विभिन्न अनुष्ठान भी करते-कराते हैं। श्राद्ध-पक्ष में पितरों के प्रति श्रद्धा भाव से किए जाने वाले अनुष्ठानिक कार्य कल्याणकारी माने गए हैं।

पौराणिक मान्यता: पुराणों में वर्णित श्राद्ध कर्म द्वारा लोग पितरों-पूर्वजों का स्मरण कर, उन्हें श्रद्धा अर्पित करते हैं। अपने जन्म एवं जीवन दाताओं को याद करते रहना, इसके लिए उनका आभार प्रकट करना, पुत्र-पौत्रादि का धर्म है। निश्चित रूप से ऐसा कर मन को शांति मिलती है। गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है, तो उसकी आत्मा तुरंत मोक्ष प्राप्त नहीं करती, बल्कि विभिन्न योनियों से होते हुए पितृलोक में पहुंचती है। यदि मृत्यु के बाद अंतिम संस्कार तथा उसके बाद के कर्मकांड ठीक से नहीं किए जाएं या हो पाएं, तो मृत-आत्मा भटकती है एवं अतृप्त रहती है। ऐसे में पितरों का अतृप्त आत्मा अपने वंशजों से रुष्ट हो जाती है। पितरों के अतृप्त आत्मा की स्थिति में परिवार में विभिन्न प्रकार की विघ्न-बाधाएं आती हैं, जिसे पितृ दोष कहा जाता है।

गरुड़ पुराण, मार्कंडेय पुराण एवं विष्णु पुराण जैसे ग्रंथों में श्राद्ध के महत्व को विस्तार से बताया गया है। इन ग्रंथों के अनुसार, पितृ-पक्ष के दौरान पितृ-गण पृथ्वी-लोक पर आते हैं तथा अपने वंशजों द्वारा किए गए तर्पण एवं श्राद्ध को स्वीकार करते हैं। जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा से श्राद्ध करता है, उसे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे उसके जीवन में सुख, समृद्धि, आयु, यश, धन आदि की प्राप्ति होती है। मार्कंडेय पुराण में कहा गया है कि 'श्राद्ध से तृप्त होकर पितृ-गण श्राद्धकर्ता को दीर्घायु, संतति, धन, विद्या, सुख, राज्य, स्वर्ग एवं मोक्ष प्रदान करते हैं।' महर्षि सुमंतु के अनुसार, 'इस संसार में श्राद्ध से बढ़कर कोई दूसरा कल्याणप्रद कर्म नहीं है।'

ऐसे होते हैं पितृ प्रसन्न: पितरों को प्रसन्न रखने एवं उनका आशीर्वाद पाने के लिए पितृ-पक्ष में नियमानुसार कुछ विशेष कार्य तथा अनुष्ठान किए जाते हैं, जिनका विवरण शास्त्रों में मिलता है।

तर्पण: प्रतिदिन सुबह स्नान के बाद दक्षिण दिशा की ओर मुख कर जल में काला तिल, जौ एवं कुश मिलाकर तर्पण करना चाहिए। यह पितरों को जल अर्पित करने का एक उपाय है, जिससे उनकी प्यास बुझती है।

श्राद्ध की विधि: पितरों की मृत्यु तिथि के अनुसार श्राद्ध कर्म करना चाहिए। श्राद्ध के दिन किसी योग्य ब्राह्मण को आमंत्रित कर भोजन कराएं। भोजन में खीर, पूड़ी तथा पितरों की पसंद के सात्विक भोज्य पदार्थ शामिल करें।

पिंडदान: आटा, जौ, चावल एवं तिल से बने पिंडों को पितरों को अर्पित किया जाता है। बोध गया जैसे पवित्र तीर्थ-स्थलों पर पिंडदान का विशेष महत्व माना गया है। हालांकि यह कार्य निकटतम किसी भी पवित्र धार्मिक-स्थल, नदी, तालाब, कुंड, सागर कहीं भी किया जा सकता है।

दान-पुण्य: श्राद्ध-पक्ष में दान का विशेष महत्व है। दान करने से न केवल पितृ प्रसन्न होते हैं, बल्कि जीवन की परेशानियां भी दूर होती हैं। पितृ-पक्ष में दान के योग्य मानी जाने वाली निम्न वस्तुएं उचित मानी जाती हैं। इसमें आप अन्न, फल, चांदी का दान कर सकते हैं। श्राद्ध कर्म के दौरान भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे, कुत्ते एवं चींटियों को भी खिलाना चाहिए।

ये भी है जरूरी: पितृ-पक्ष के 15 दिनों तक सात्विक जीवन का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। पितृ-पक्ष के पंद्रह दिन परिवार में लहसुन, प्याज एवं मांसाहार का सेवन पूरी तरह से वर्जित होता है। इन दिनों ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए तथा अपने घर एवं मन दोनों को पवित्र रखें। प्रतिदिन शाम के समय घर की दक्षिण दिशा में सरसों के तेल का दीपक जलाना चाहिए। पीपल के पेड़ में दूध, काला तिल एवं जल चढ़ाएं। पीपल के पेड़ को पितरों का वास माना जाता है। पितृ स्त्रोत का पाठ करना भी पुण्यकारी होता है। *